राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार , 05 अप्रैल 2025

वर्ष 13, अंक 338, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

दस्तक संचारी अभियान के तहत,साफ सफाई की कवायद शुरू 03

'पोषण भी पढ़ाई भी' थीम पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न...04

इफको की शानदार उपलब्धि, दूसरे वर्ष में भी तीन हजार करोड़ लाभांश का अनुमान

● इफको की शानदार उपलब्धि, दूसरे वर्ष में भी तीन हजार करोड़ लाभांश का अनुमान।

वर्ष 2024-25 में इफको ने हर छेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रबंध निदेशक ने समस्त कर्मचारियों को दिया बधाई संदेश।

प्रयागराज। इफको ने नैनो उर्वरकों के उत्पादन और बिक्री में सराहनीय उपलब्धि हासिल की है। सभी संयुक्त उपक्रमों और सहयोगी संस्थानों ने वित्त वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिसके लिए, इफको के प्रबंध निदेशक डॉ. यू. एस. अवस्थी ने इफको परिवार, सहकारी समितियों, सहयोगियों और भागीदारों के लिए एक संदेश साझा किया, उन्हें सफल वित्त वर्ष 2025-26 की शुभकामनाएं दीं। अपने बधाई और शुभ कामना संदेश में डॉ अवस्थी ने कहा है कि सबकी कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण से वित्त वर्ष 2024-25 में भी इफको ने शानदार सफलता अर्जित की है।

त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय बनाए जाने पर खुशी। इफको हर संभव मदद करेगा। इफको ने नैनो उर्वरक और कृषि ड्रोन के रूप में देश के किसानों को अत्याधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी का अनमोल उपहार दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबल नेतृत्व तथा गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल निर्देशन में सहकारिता मंत्रालय ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय सहकारिता क्षेत्र के पहले विश्वविद्यालय त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना करने की घोषणा की है। इसके माध्यम से देश की सहकारी समितियों को अधिक आधुनिक तरीके से काम करने में सक्षम बनाया जा सकेगा। इफको भारत सरकार की इस अभूतपूर्व पहल में सम्पूर्ण सहयोग और समर्थन देगा।

130 वर्षों में पहली बार इफको की देख रेख में आईसीए महासभा का आयोजन भारत में हुआ।।

अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के 130 साल के इतिहास में पहली बार आईसीए महासभा का आयोजन भारत में हुआ। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि आईसीए महासभा और वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024 का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ जिसमे इफको की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी की गरिमामयी उपस्थिति मे प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा इस कार्यक्रम का उद्घाटन संपन्न हुआ। यह एक ऐतिहासिक अवसर था जब प्रधानमंत्री के "सहकार से समृद्धि, आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर कृषि"के विचार से प्रेरित और संकल्पित हमारी संस्था ने सहकारिता के इस वैश्विक मंच पर अग्रणी भूमिका निभाई। इफको अब नैनो एन पी के दानेदार ले आयेगी। जमीन की पोषक तत्व को पूरा करेगी उन्होंने प्रसन्नता के साथ इफको, मिट्टी में प्रयोग होने वाले दानेदार नैनो एनपीके उर्वरक भी लाने जा रहा है। इस दानेदार नैनो एनपीके उर्वरक में मैग्नीशियम, सल्फर, जिंक और कॉपर प्रचुर मात्रा में हैं जिनसे फसल उत्पादकता बढ़ेगी और पोषक तत्वों की हानि भी कम होगी। यह नया उत्पाद नैनो यूरिया तरल व नैनो डीएपी तरल के साथ मिलकर रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग समाप्त कर सकता

है। इससे प्राथमिक पोषक तत्वों की उच्च उपयोग दक्षता के साथ संतुलित पोषण को भी बढ़ावा मिलेगा। नैनो तकनीक, ड्रोन तकनीक, एआई तकनीकों को शामिल करके हम देश की कृषि और खाद्य मूल्य श्रृंखला में महत्वपूर्ण बदलाव ला रहे हैं। इफको के विभिन संयंत्रों और कार्यालयों में कार्यरत वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, बिक्री/विपणन टीमों की प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत के कारण ही यह संभव हुआ है।

300 महिला किसानों ड्रोन दीदी को रोजगार।

ड्रोन दीदी पहल के अनुसरण में इफको ने इस वर्ष नमो ड्रोन दीदी के रूप में 300 महिला किसानों को तरल उर्वरकों के छिड़काव हेतु ड्रोन प्रशिक्षण प्रदान किया है । ये नमो ड्रोन दीदियाँ इस नवीन प्रौद्योगिकी को अपनाकर बाधाओं और रूढ़ियों को तोड़ते हुए ग्रामीण महिलाओं की असीम ताकत और क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। हमने 1764 से अधिक ग्रामीण ड्रोन उद्यमियों को भी प्रशिक्षण दिया है । इस तरह इफको, आत्मनिर्भरता और स्थिरता पर आधारित पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में योगदान दे रहा है। इफको में हमने किसानों के बीच नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अब तक 2.15 लाख से अधिक क्षेत्र प्रदर्शन किए हैं। किसानों के बीच नैनो उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए इफको ने देश के 15 कृषि जलवायु क्षेत्रों में क्षेत्र प्रदर्शन किए, जिसमें खरीफ 2024 में उर्वरक विभाग (डी ए फ) के मार्गदर्शन में नैनो डीएपी के 1270 और नैनो यूरिया के 200 क्षेत्र प्रदर्शन किये गये। 411 से अधिक आईसीएआर-कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से धान, मक्का, कपास, मूंगफली, मिर्च, सोयाबीन, लाल चना, काला चना, गन्ना, गोभी, फूलगोभी, प्याज, बैंगन, भिंडी, टमाटर, सेब सहित विभिन्न फसलों पर इन प्रदर्शनों की निगरानी की गई । इन परिणामों में पैदावार में वृद्धि देखी गई । नैनो उर्वरकों के माध्यम से भारत में टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम सिद्ध हुआ है।

उत्पादन के छेत्र में कीर्ति मान बनाया।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, इफको ने फसल उत्पादकता और गुणवत्ता वृद्धि के साथ बल्क उर्वरकों के उपयोग को कम करने के लिए 1 जुलाई, 2024 से एक राष्ट्रव्यापी "मॉडल नैनो ग्राम /क्लस्टर परियोजना"की भी शुरुआत की। इसके तहत नैनो उर्वरकों के प्रयोग में अग्रणी 203 ग्राम समूहों का चयन किया गया है। इनमें प्रत्येक ग्राम समूह 2000 एकड़ में फैला हुआ है। नैनो ग्राम पोर्टल द्वारा 5 लाख एकड़ क्षेत्र में 90,000 से अधिक किसान पंजीकृत हुए हैं, जिनमें से 40,000 किसानों ने इफको नैनो उर्वरक और सागरिका की 5.30 लाख से अधिक बोतलें खरीदी हैं । कृषि ड्रोन के जरिए 72,000 एकड़ भूमि पर छिड़काव किया गया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस परियोजना से रासायनिक उर्वरक के उपयोग में 28.73त्न की कमी और फसल की पैदावार में 5.80त्न की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा कार्बन क्रेडिट परियोजना के तहत इफको, नैनो उर्वरकों के उपयोग के माध्यम से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में हुई कमी के प्रमाणीकरण हेतु नैनो उर्वरकों के प्रयोग से रासायनिक उर्वरकों में आई कमी संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण की संभावना तलाश रहा है। नैनो प्रौद्योगिकी और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए हमने 6 करोड़ से ज़्यादा किसानों को व्हाट्सऐप के जरिए नैनो उर्वरकों के फ़ायदे और इस्तेमाल से संबंधित जानकारीपूर्ण वीडियो और अन्य सामग्री भेजी। मैं इस उपलब्धि के लिए विपणन, जन संपर्क और आईटी टीम के प्रयासों

वक्फ बिल में दो बड़े संशोधन- आदिवासी भूमि और संरक्षित स्मारकों की रक्षा

स्वतंत्र प्रभात
सीनियर रिपोर्टर - विपिन शुक्ला

नई दिल्ली। वक्फ कानून में दो महत्वपूर्ण संशोधनों को शामिल किया गया है, जिनसे आदिवासी समुदायों और राष्ट्रीय धरोहरों को सुरक्षा मिलेगी। इन संशोधनों की चर्चा अपेक्षाकृत कम हो रही है, लेकिन इनके प्रभाव दूरगामी होंगे।

आदिवासी भूमि को वक्फ घोषित करने पर रोक पहला संशोधन यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी आदिवासी की भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा। इसका सीधा लाभ झारखंड, छत्तीसगढ़ और अन्य आदिवासी बहुल राज्यों को मिलेगा, जहां आदिवासी समाज अपनी भूमि पर पीढ़ियों से निर्भर है। यह कदम उन शिकायतों को दूर करने में सहायक होगा, जिनमें वक्फ के नाम पर आदिवासी भूमि के अतिक्रमण की बात सामने आती रही है। अब यह संशोधन आदिवासी अधिकारों की रक्षा करेगा और उनकी जमीन पर किसी भी बाहरी दावे को रोकने में मदद करेगा।

संरक्षित स्मारकों और भूमि की सुरक्षा दूसरा अहम संशोधन यह है कि किसी भी संरक्षित स्मारक या संरक्षित भूमि को वक्फ की संपत्ति नहीं घोषित किया जा सकेगा। इतना ही नहीं, अब तक जितनी भी संरक्षित स्मारकों और भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित किया गया है, वे सभी इस कानून के लागू होने के बाद स्वतः निरस्त मानी जाएंगी। इसका सीधा असर देशभर के करीब 200 ऐतिहासिक स्मारकों पर पड़ेगा, जिन पर वक्फ ने दावा किया था। इनमें दिल्ली का पुराना किला, कुतुब मीनार, सफदरजंग का मकबरा और हुमायूं का मकबरा जैसे ऐतिहासिक स्थल शामिल हैं। इसके अलावा, कर्नाटक में टीपू सुल्तान का मकबरा, महाराष्ट्र में औरंगजेब की पत्नी की कब्र और कर्नाटक के गुलबर्गा किले को भी वक्फ संपत्ति बताया गया था। लेकिन नए संशोधन के बाद ये सभी धरोहरें अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की देखरेख में ही बनी रहेंगी।

राष्ट्रीय धरोहरों की रक्षा का बड़ा कदम यह संशोधन ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा संरक्षित स्मारकों को अब किसी भी अन्य दावे से मुक्त कर दिया गया है। इस फैसले से देश की ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित रखने में मदद मिलेगी और कानूनी उलझनों से बचाया जा सकेगा।

समाज के विभिन्न वर्गों की प्रतिक्रियाएँ इस संशोधन का आदिवासी समाज और इतिहास प्रेमियों ने स्वागत किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने में मदद मिलेगी। वहीं, कुछ वर्गों में इसे लेकर असंतोष भी देखा जा सकता है, लेकिन सरकार का तर्क है कि यह निर्णय देश की धरोहरों और आदिवासी समाज की सुरक्षा के लिए आवश्यक था।

इस संशोधन के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इससे जुड़े कानूनी और प्रशासनिक पहलू कैसे आगे बढ़ते हैं। लेकिन इतना तय है कि यह बदलाव वक्फ संपत्तियों के विवादों को एक नई दिशा देगा और आदिवासी भूमि व राष्ट्रीय स्मारकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

संक्षिप्त ख़बरें

तालाब में डूब कर वृद्ध महिला की मृत्यु

मथुरा। थाना राया की चौकी अनौडा क्षेत्र के गांव नगला हरि में बीती रात शौच करने के लिए गई थी। वहीं मकान के पास बने तालाब में पैर फिसलने से श्रीमती श्यामवती (85) पत्नी स्व.नारायण सिंह की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई। परिवारीजनों को जब वृद्ध महिला चारपाई पर नहीं मिली तो ढूंढने का प्रयास किया गया और इस की सूचना पुलिस को दे दी गई। मौके पर पहुंचीं पुलिस ने ग्रामीणों के साथ मकान के पास बने तालाब में वृद्ध महिला का शव ऊतराता दिखाई दिया पुलिस ने शव को तालाब से निकाल कर कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह भिजवा दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

पति की हत्या में पत्नी ही निकली कातिल

पांच महीने तक पुलिस को दिया चकमा, बिजली के तार और हीटर बरामद

मथुरा। एक और पति की हत्या में पत्नी ही कातिल निकली। तीन लोगों के साथ पत्नी ने अपने पित को मौत के घाट उतारा था। पुलिस घटना में शामिल तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अब मृतक की पत्नी को भी पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला ने तीन अन्य के साथ मिल कर बिजली का करंट लगाकर हत्या की थी। पुलिस ने हत्यारोपित मृतक की पत्नी की निशानदेही पर बिजली के तार और हीटर को भी बरामद कर लिया है जिनका उपयोग हत्या में किया गया था। वृंदावन की थाना पुलिस ने वांछित महिला गिरफ्तार किया है। आगरा के बाह निवासी राकेश सिंह पुत्र सरनाम सिंह ने दो अक्टूबर 2024 को वृंदावन थाने में महिला सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि उसके भाई विजयपाल सिंह की करंट लगाकर हत्या की गई और शव को ठिकाने न लगा पाने के बाद एक झूठी कहानी बनाई गई। इस मामले की विवेचना अपराध शाखा फिरोजाबाद द्वारा की जा रही थी। हत्या में शामिल महिला को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। जबकि अन्य आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके हैं।

गोपालपुर मधैया-बधूपुर संपर्क मार्ग जर्जर, राहगीरों को हो रही परेशानी

स्वतंत्र प्रभात

लंभुआ। गोपालपुर मधैया से बधूपुर बाजार को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो चुका है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। यह मार्ग न केवल स्थानीय लोगों के लिए बल्कि छात्र-छात्राओं के लिए भी महत्वपूर्ण है। गोपालपुर मधैया गांव के पास एक विद्यालय होने के कारण यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं आते-जाते हैं। वहीं, बधूपुर बाजार के निकट रामगढ़ गांव स्थित स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों को भी इस रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। जर्जर सड़क के कारण विद्यार्थियों को विद्यालय पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, यह मार्ग आसपास के लगभग दर्जनभर गांवों को लंभुआ से जोड़ता है, जिससे स्थानीय व्यापारियों, किसानों और दैनिक यात्रियों की निर्भरता इस सड़क पर अधिक है। लंभुआ तहसील मुख्यालय जाने के लिए भी हजारों लोग इसी मार्ग का उपयोग करते हैं, लेकिन सड़क की खराब स्थिति के कारण लोगों को लंबा रास्ता तय करना पड़ता है या फिर जोखिम लेकर इसी मार्ग से गुजरना पड़ता है।

क्षेत्र में स्थित स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज, डिग्री कॉलेज, कमला प्रसाद सिंह महाविद्यालय और जय भारत इंटर कॉलेज, मथुरा नगर, रामगढ़ के छात्र-छात्राएं भी इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। जर्जर सड़क के कारण वे आए दिन परेशानियों का सामना कर रहे हैं। बरसात के मौसम में यह समस्या और विकराल हो जाती है, सड़क की गिट्टियां उखड़ गई हैं गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे चलना मुश्किल हो जाता है।

गौरतलब है कि सरकार की महत्वाकांक्षी गड्ढा मुक्त सड़क अभियान के तहत अब तक इस मार्ग की मरम्मत नहीं हो सकी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि नेता विधायक सिर्फ वोट लेने के लिए नजर आते हैं इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहा। लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क को दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि

आवागमन में हो रही कठिनाइयों को दूर किया जा सके।

.स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि रास्ता बेहद जर्जर स्थिति में है बच्चों को आने-जाने में समस्या होती है इसके लिए हमने वर्तमान विधायक सीताराम वर्मा जी को प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत करवा कर मरम्मत करने का निवेदन किया है। खुशेखपुर निवासी सत्य प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि रास्ता खराब है। इसी रास्ते से प्रतिदिन आना जाना होता है। इसका बनना बहुत जरूरी है। हजारों की संख्या में रोज राहगीर इस रास्ते से आते जाते हैं।

पौराणिक शिव मंदिर कॉरिडोर के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने पर नागरिकों में बड़ा आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। मुख्यमंत्री योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट शिव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण में धांधली के आरोपों की गूंज राजधानी तक पहुंचने पर प्रमुख सचिव के निर्देश पर गठित टीम ने निरीक्षण कर निर्माण सामग्री के नमूने लिए।चार दिन पूर्व गोकर्णतीर्थ के निर्माण में भ्रष्टाचार धांधली का आरोप लगाया गया था इसके वीडियो भी वायरल हुए थे। जैसे ही निर्माण की गुणवत्ता में धांधली के आरोप लगे, लोगों में गुस्सा भी दिखने लगा। भ्रष्टाचार पर विधायक अमन गिरि ने प्रमुख सचिव से व्यक्तिगत रूप से मिलकर आपत्ति दर्ज कराई और उप जिलाधिकारी विनोद कुमार गुप्ता द्वारा जांच कर कार्रवाई की मांग करने पर प्रमुख सचिव के निर्देश पर गठित टीम में पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. कल्याण सिंह, पर्यटन निगम गुणवत्ता प्रकोष्ठ और परियोजना निदेशक टीएन सिंह तथा एसपी मिश्रा कॉरिडोर पहुंचे। उनके साथ कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर संकल्प वर्मा, अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी तरुणेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान टीम ने ईंट, मौरंग, सरिया, कंक्रीट, मसाला और बिजली वायरिंग तथा पीवीसी पाइप का नमूना लिया। शासन से गठित टीम के औचक निरीक्षण से कार्यदायी संस्था के अधिकारियों और कर्मचारियों के चेहरे पर हवाइयां उड़ती रहीं।.जैसे ही पता चला कि धांधली के आरोपों की जांच के लिए शासन से गठित टीम आई है।

भ्रष्टाचार

विकासखंड रमियाबेहड़ मे भी निकला बिजुआ वाला भ्रष्टाचारी जिन्न

ब्लॉक बिजुआ में रामदीप वर्मा तो रमियाबेहड में अनिल कुमार कंप्यूटर ऑपरेटर बने ठेका कर्मचारी-आरोप

● कथित ठेका कर्मचारी कंप्यूटर ऑपरेटर अनिल कुमार के इशारे पर ही संचालित होता है ब्लॉक बगैर अनिल कुमार की मर्जी के नहीं हिल सकता ब्लॉक का पत्ता ऐसे लोगों के आरोप हैं

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी जनपद के ब्लॉक रमिया बेहड़ में भी कंप्यूटर ऑपरेटर के आगे ब्लॉक के सभी अधिकारी कर्मचारी के आदेश बौने साबित होते-देखे जा सकते हैं अनिल कुमार का रसूख बिजुआ के कंप्यूटर ऑपरेटर रामद्वीप वर्मा से कम नहीं है सूत्र बताते हैं कि अनिल कुमार के इशारे पर ही खंड विकास अधिकारी रमिया बेहड़ काम करते नजर आते देखे जा सकते हैं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक दशक से ब्लॉक रमिया बेहड़ में तैनात कथित ठेका कर्मचारी/कंप्यूटर ऑपरेटर अनिल कुमार द्वारा खंड विकास अधिकारी सहित ए. पी. ओ मनरेगा, टी. ए. और ग्राम पंचायत सचिवों से साठगाँठ करके ब्लॉक रमियाबेहड़ की अधिकांश ग्राम पंचायत में इंटरलॉकिंग लगवाई गई है सूत्र बताते हैं कि उक्त कंप्यूटर ऑपरेटर ही ब्लॉक का सारा काम देखता है वीडियो की तैनाती औपचारिकता भर को है काम सारा अनिल कुमार द्वारा ही देखा जा रहा है जिसके चलते उक्त के द्वारा विकासखंड की अधिकांश ग्राम पंचायत में इन्हीं जनाब के द्वारा कराए गए इंटरलॉकिंग निर्माण कार्यों में जमकर 60 -40 के रेशीयो को तोड़कर मानक विपरीत एवं गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य करवाया गया है फर्मो को किए गए भुगतान पर एक नजर डालें तो लाखो का भुगतान होने का मामला जन चर्चा का विषय बना है प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा ठेकेदारी प्रथा से इंटरलॉकिंग कार्य करवाकर फर्श से अर्श पर पहुंच गया उनके इस गोरख धंधे में कई ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ए. पी ओ. मनरेगा के शामिल

होने की चर्चा आम हो रही है इंटरलॉकिंग निर्माण कार्यों में उनके द्वारा जमकर मानकों की धज्जियां उड़ाई गई पीला ईटों का प्रयोग करने के साथ-साथ इंटरलॉकिंग की बॉक्सिंग की चुनाई में बालू और नाम मात्र की घटिया किस्म सामग्री से चुनाई कराई गई है जानकार लोगों के अनुसार उक्त अनिल कुमार कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर बने रहते ही की गई ठेकेदारी से मानकों को दरकिनार करके कराए गए गुणवत्ता विहीन कार्यों से अकूत संपत्ति बना डाली गई यदि इन के द्वारा अर्जित धनराशि एवं बनाए गए नामी बेनामी संपत्ति की करा ली जाए जांच तो होगा एक बड़े फर्जीवाडा का पर्दाफाश चंद विभागीय सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि असली विकासखंड अधिकारी यही जाने जाते हैं यह साहब के आँख और कान माने जाते हैं जिसका फायदा उठाते हुए उनके द्वारा पूरे ब्लॉक में जमकर ठेकेदारी की गई है और मानक विहीन काम करकर करोड़ों रुपए का चूना सरकारी खजाने को लगाया गया है इतना ही नहीं इनके द्वारा ए. पी ओ. की संलिप्तता में फर्जी हाजिरी एवं पुराने फोटो अपलोड करके रोजाना हज़ारो रुपए मजदूरी के नाम निकालकर आपस में बंदरबाट कर लिए जाने के आरोप लगाया जा रहे हैं यदि मामले की हो जाए जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच तो बड़ा भ्रष्टाचार आएगा खुलकर सामने और जिम्मेदार अफसर पर कार्रवाई होना तय होगा

सूचना अधिकार अधिनियम से मांगी गई सूचनाओं को भी नहीं दे रहा दबंग कंप्यूटर ऑपरेटर

विकासखंड रमिया बेहड़ में अरसे से तैनात रसूखदार कंप्यूटर ऑपरेटर अनिल कुमार द्वारा सूचना अधिकार अधिनियम का खुला मजाक उड़ाया जा रहा है कई माह बीतने के बाद भी वाछित सूचना उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं उक्त सूचनाओं के लिए आवेदक चार बार विकासखंड रमियाबेहड़ के चक्कर लगा चुका है खंड विकास अधिकारी कार्यालय से एक ही जवाब की आप अनिल कुमार से मिले वही सब देखते हैं और अनिल कुमार साहब मिलते नहीं है जनाब कहीं इंटरलॉकिंग लगवाने में लगे होंगे एक विभागीय सूत्र द्वारा नाम गुप्त रखने के शर्त पर यहां तक बताया कि कई पंचायत सचिवों का पैसा दबाए बैठा है पंचायत सचिव मजबूरन काम इनको देने को विवश होते हैं कारण साहब के लाडले होने के चलते कई ग्राम पंचायत सचिव अपने को काफी उत्पीड़ित महसूस करते हुए दिखाई पडते हैं कंप्यूटर ऑपरेटर के रसूख के आगे किसी की भी बोलने की हिम्मत नहीं होतीहै यदि उनके द्वारा कराई गई इंटरलॉकिंग निर्माण कार्यों की कर ली जाए जांच टीम गठित कर जांच तो उनके साथ ही कई जिम्मेदारों पर भी आएगी कार्यवाही की आँच यह हाल केवल बिजुआ व रमियाबेहड़ में ही नहीं है बल्कि जनपद लखीमपुर की अधिकाश विकासखंडो में रोजगार सेवक ठेकेदारी करते देखे जा सकते हैं शीघ्र ही विकासखंड लखीमपुर और फूलबेहड़ में ठेकेदारी कर रहे रोजगार सेवक का साक्ष्य समेत पर्दाफाश होगा

क्या कहते है खंड विकास अधिकारी रमिया बेहड़ उक्त मामले पर खंड विकास अधिकारी से जानकारी लेने के लिए उनके मोबाइल नंबर 94 5446 5386 पर कॉल की गई घंटी बजती रही फोन नहीं उठने से उनके पक्ष की कोई जानकारी नहीं हो सकी।

भूकंप- ऐसी आपदा जिसकी भविष्यवाणी नहीं की जा सकती

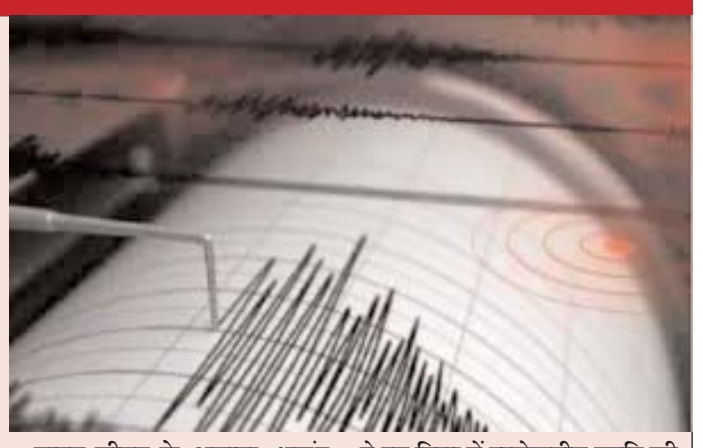

जापान के क्यूशू द्वीप पर फिर आया भूकंप। अभी तक जान माल की हानि की कोई खबर नहीं। म्यांमार में आए भूकंप में मरने वालों की संख्या 3000 के पार। थाईलैंड में भी आए भूकंप के झटके। ये वे समाचार हैं जो पिछले कुछ दिनों से सुर्खियां बने हुए हैं। यह एक कटु सत्य है कि भूकंप जैसी आपदा का अभी तक कोई तोड़ नहीं निकाला जा सका। भूकंप एक ऐसी प्राकृतिक आपदा है जो मानव सभ्यता के लिए हमेशा से एक रहस्य और चुनौती बनी हुई है। जब भी प्राकृतिक आपदाओं की बात आती है, तो बाढ़, तूफान, या ज्वालामुखी विस्फोट जैसी घटनाओं की तुलना में भूकंप का नाम सबसे अनिश्चित और विनाशकारी रूप में सामने आता है। इसका कारण यह है कि विज्ञान और तकनीक के इस युग में भी हम भूकंप की सटीक भविष्यवाणी करने में असमर्थ हैं। यद्यपि वैज्ञानिकों ने उन क्षेत्रों की पहचान करने में सफलता प्राप्त की है जहां भूकंप का खतरा अधिक होता है और जहां भविष्य में भी इसकी संभावना बनी रहती है, फिर भी यह अनिश्चितता मानव जीवन और संपत्ति के लिए एक गंभीर खतरा बनी हुई है।

भूकंप पृथ्वी की सतह पर होने वाली वह हलचल है जो इसके भीतरी भाग में संचित ऊर्जा के अचानक मुक्त होने के कारण उत्पन्न होती है। यह ऊर्जा पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटों के आपसी टकराव, खिसकने, या दबाव के कारण पैदा होती है। पृथ्वी की ऊपरी परत, जिसे भूपर्पटी (क्रस्ट) कहते हैं, कई विशाल प्लेटों में विभाजित है। ये प्लेटें पृथ्वी के अंदर मौजूद मैग्मा(लावा) पर तैरती रहती हैं और निरंतर गति में रहती हैं। जब ये प्लेटें एक-दूसरे के खिलाफ रगड़ खाती हैं, दबाव बनता है, और यह दबाव जब असहनीय हो जाता है, तो यह ऊर्जा भूकंपीय तरंगों के रूप में बाहर निकलती है। यही तरंगें भूकंप का कारण बनती हैं। भूकंप की तीव्रता को रिक्टर स्केल या मरकेली स्केल जैसे पैमानों से मापा जाता है। रिक्टर स्केल भूकंप की ऊर्जा को मापती है, जबकि मरकेली स्केल इसके प्रभाव को। उदाहरण के लिए, 2.0 से कम तीव्रता का भूकंप आमतौर पर महसूस नहीं होता, लेकिन 7.0 से अधिक तीव्रता का भूकंप व्यापक विनाश का कारण बन सकता है।

हालांकि भूकंप की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, लेकिन वैज्ञानिकों ने उन क्षेत्रों की पहचान कर ली है जहां भूकंप की संभावना अधिक होती है। ये क्षेत्र मुख्य रूप से टेक्टोनिक प्लेटों की सीमाओं के पास स्थित होते हैं। उदाहरण के लिए, "रिंग ऑफ फायर" प्रशांत महासागर के आसपास का एक ऐसा क्षेत्र है जहां विश्व के लगभग 80% भूकंप आते हैं। जापान, इंडोनेशिया, चिली, और पश्चिमी अमेरिका जैसे क्षेत्र इस रिंग का हिस्सा हैं। भारत में हिमालय क्षेत्र, कच्छ, और पूर्वोत्तर राज्य भूकंप के लिए संवेदनशील माने जाते हैं, क्योंकि यहाँ इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट और यूरेशियन प्लेट के बीच टकराव होता है। इन क्षेत्रों की पहचान भूकंपीय इतिहास, भूगर्भीय संरचना, और प्लेट गति के अध्ययन के आधार पर की जाती है। फिर भी, यह अनुमान केवल संभावना को दर्शाता है, न कि निश्चित समय या तारीख को।

भूकंप के प्रभाव इसकी तीव्रता, गहराई, और प्रभावित क्षेत्र की जनसंख्या के घनत्व पर निर्भर करते हैं। एक शक्तिशाली भूकंप इमारतों को ढहा सकता है, सड़कों को तोड़ सकता है, और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर सकता है। इसके अलावा, भूकंप के बाद आने वाली सुनामी, भूस्खलन, और आग जैसी द्वितीयक आपदाएं स्थिति को और भयावह बना देती हैं। उदाहरण के लिए, 2004 में हिंद महासागर में आए भूकंप और उसके बाद की सुनामी ने लाखों लोगों की जान ले ली थी। इसी तरह, 2011 में जापान में आए भूकंप ने न केवल भारी तबाही मचाई, बल्कि फुकुशिमा परमाणु संयंत्र में दुर्घटना का कारण भी बना। भारत में 2001 का कच्छ के भुज में आया भूकंप एक ऐसा उदाहरण है जिसने हजारों लोगों की जान ली और पूरे क्षेत्र को तबाह कर दिया।

मानव जीवन के अलावा, भूकंप का आर्थिक प्रभाव भी गहरा होता है। पुनर्निर्माण, राहत कार्य, और प्रभावित लोगों के पुनर्वास में अरबों रुपये खर्च होते हैं। विकासशील देशों में यह बोझ और भी भारी हो जाता है, जहां संसाधन पहले से ही सीमित होते हैं। भूकंप की भविष्यवाणी की असंभवता का कारण पृथ्वी के भीतरी भाग की जटिलता और उस तक सीमित पहुंच है। वैज्ञानिक भूकंपीय तरंगों, प्लेट गति, और भूगर्भीय तनाव का अध्ययन करते हैं, लेकिन ये संकेत इतने सूक्ष्म और अनियमित होते हैं कि इनके आधार पर सटीक समय और स्थान का अनुमान लगाना असंभव हो जाता है। कुछ जानवरों, जैसे कुत्ते और पक्षी, के व्यवहार में परिवर्तन को भूकंप से जोड़ा गया है, लेकिन यह भी कोई विश्वसनीय तरीका नहीं है और आज मनुष्य मनुष्य के व्यवहार का अध्ययन करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाया तो पशुओं के व्यवहार का अध्ययन इतना सरल कैसे हो सकता है? वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का उपयोग भूकंपीय डेटा के विश्लेषण के लिए किया जा रहा है। ये तकनीकें पैटर्न की पहचान कर सकती हैं, लेकिन अभी तक ये केवल जोखिम वाले क्षेत्रों को चिह्नित करने तक सीमित हैं, न कि सटीक भविष्यवाणी करने में।

भूकंप की भविष्यवाणी न कर पाने की स्थिति में सबसे प्रभावी रणनीति है तैयारी और बचाव। भूकंप प्रतिरोधी भवनों का निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम है। जापान जैसे देशों ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है, जहां ऊंचे ऊंचे भवन लचीले ढांचे और उन्नत तकनीक के साथ बनाए जाते हैं ताकि वे भूकंपीय झटकों को सह सकें।

सार्वजनिक जागरूकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। लोगों को यह सिखाया जाना चाहिए कि भूकंप के दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए—जैसे कि मेज के नीचे छिपना, खुली जगह में जाना, और लिफ्ट का उपयोग न करना। स्कूलों और कार्यालयों में नियमित भूकंप अभ्यास (ड्रिल) आयोजित किए जाने चाहिए। सरकारों को भी आपदा प्रबंधन के लिए मजबूत नीतियां बनानी चाहिए। राहत सामग्री, चिकित्सा सुविधाएं, और बचाव दल पहले से तैयार रखे जाने चाहिए ताकि आपदा के बाद तुरंत कार्रवाई की जा सके। भूकंप न केवल एक प्राकृतिक आपदा है, बल्कि यह मानव सभ्यता के लिए एक सबक भी है। यह हमें प्रकृति की शक्ति और हमारी सीमाओं की याद दिलाता है। जैसे-जैसे हमारी तकनीक और समझ बढ़ती है, हमें उम्मीद है कि भविष्य में हम भूकंप के प्रभाव को कम करने में और सक्षम होंगे। लेकिन तब तक, हमें इसके साथ जीना सीखना होगा—सावधानी, तैयारी, और सामूहिक जिम्मेदारी के साथ। भूकंप एक ऐसी आपदा है जो अपनी अनिश्चितता के कारण भयावह बनी हुई है। फिर भी, विज्ञान और समाज के संयुक्त प्रयासों से हम इसके प्रभाव को कम कर सकते हैं।

बलदेव राज भारतीय

संपादकीय

शिक्षा का संकट- नींव को बचाने की जंग

जब शिक्षक गायब, तो ज्ञान का दीपक कौन जलाएगा?

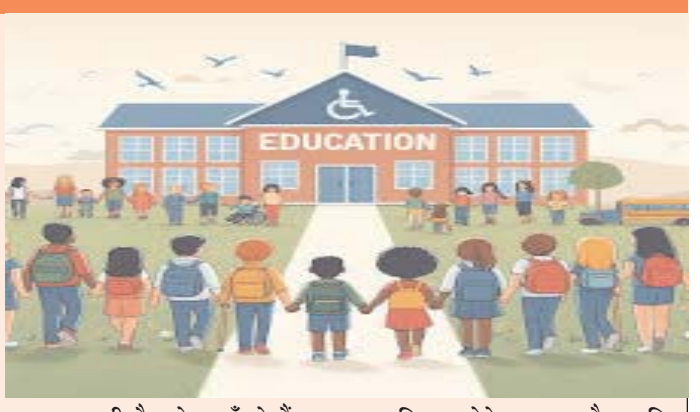

कल्पना करें—एक बच्चा सुबह-सुबह स्कूल की ओर चल पड़ता है, कंधे पर बस्ता, मन में सपने और आँखों में चमक। लेकिन स्कूल पहुँचते ही उसका दिल टूट जाता है—दरवाजे पर ताला, शिक्षक गायब, और चारों ओर सन्नाटा। यह कोई कहानी नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के उमरिया जिले की हकीकत है, जो हाल ही में कलेक्टर के औचक निरीक्षण में सामने आई। शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है, लेकिन जब यह रीढ़ लापरवाही की मार से कमजोर पड़ने लगे, तो क्या हम हाथ पर हाथ धरे बैठे रहें? उमरिया की यह घटना सिर्फ एक जिले का दर्द नहीं, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र के लिए एक जोरदार चेतावनी है। जब उमरिया के कलेक्टर ने सरकारी स्कूलों का औचक दौरा किया, तो जो देखा, वह दिल दहला देने वाला था। कहीं शिक्षक बिना बताए गायब थे, तो कहीं स्कूलों के दरवाजे बच्चों के लिए बंद मिले। यह सिर्फ ड्यूटी से चूक नहीं, बल्कि उन मासूम सपनों के साथ विश्वासघात था, जो हर बच्चा स्कूल लेकर आता है। कलेक्टर ने तुरंत कड़ा रुख अपनाया—दो शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया और 29 की वेतन वृद्धि पर रोक लगा दी गई। यह सख्ती जरूरी थी, लेकिन क्या यह समस्या सिर्फ उमरिया की है? मध्यप्रदेश के हर कोने में अगर झाँकें, तो यह लापरवाही एक गहरे संकट की ओर इशारा करती है।

मध्यप्रदेश में सरकारी स्कूलों को चमकाने के लिए सरकार ने ढेरों योजनाएँ शुरू कीं—नई इमारतें, मुफ्त किताबें, मिड-डे मील। लेकिन जब जमीनी हकीकत सामने आती है, तो सारा ढाँचा खोखला नजर आता है। शिक्षक समय पर नहीं आते, स्कूल प्रबंधन सोया रहता है, और शिक्षा विभाग की निगरानी बस कागजों तक सीमित है। प्रवेश उत्सव जैसे आयोजन, जो बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए होते हैं, महज औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। नतीजा सामने है—बच्चों की उपस्थिति गिर रही है, ड्रॉपआउट की दर बढ़ रही है, और शिक्षा की गुणवत्ता धूल चाट रही है। योजनाएँ तो हैं, पर जब तक शिक्षकों और प्रशासन की जवाबदेही तय नहीं होगी, ये सब बेकार हैं। एक पल को रुकें और सोचें—वह बच्चा जो स्कूल के लिए मीलों पैदल चलता है, धूप-धूल में अपने सपनों को सींचता है, उसे क्या मिलता है? एक खाली कक्षा, एक अनुपस्थित शिक्षक और टूटती उम्मीदें। मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों पर ज्यादातर गरीब परिवारों के बच्चे निर्भर हैं। उनके लिए स्कूल सिर्फ पढ़ाई की जगह नहीं, बल्कि जिंदगी बदलने का एकमात्र रास्ता है। लेकिन जब शिक्षक ही अपनी जिम्मेदारी से मुँह मोड़ लें, तो ये बच्चे कहाँ जाएँ? यह सिर्फ शिक्षा का संकट नहीं, बल्कि लाखों मासूमों के भविष्य पर लगा ग्रहण है। हर गायब शिक्षक के साथ एक बच्चे का सपना मरता है—क्या हम इसे यूँ ही देखते रहेंगे?

अगर मध्यप्रदेश की शिक्षा को बचाना है, तो अब नरमी नहीं, सख्ती चाहिए। उमरिया में हुई कार्रवाई इसकी मिसाल है—जब कड़ा कदम उठाया गया, तो संदेश साफ गया कि लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं होगी। लेकिन यह काफी नहीं है। हर जिले में नियमित औचक निरीक्षण होने चाहिए। डिजिटल मॉनिटरिंग जैसे बायोमेट्रिक सिस्टम से शिक्षकों की उपस्थिति पर नजर रखी जा सकती है। स्कूलों में बुनियादी सुविधाएँ—साफ पानी, शौचालय, बिजली—को अनिवार्य करना होगा। साथ ही, शिक्षकों को न सिर्फ सजा, बल्कि बेहतर प्रशिक्षण और प्रोत्साहन भी देना होगा, ताकि वे ड्यूटी को बोझ नहीं, बल्कि जुनून समझें। यह सिर्फ नियम लागू करने की बात नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता देने का वादा है। उमरिया की यह कार्रवाई एक चिंगारी है, जो पूरे प्रदेश में बदलाव की आग जला सकती है। अगर हर जिले में ऐसी सख्ती और पारदर्शिता आए, तो सरकारी स्कूल फिर से ज्ञान के मंदिर बन सकते हैं। यह सिर्फ प्रशासन का काम नहीं, बल्कि समाज की साझा जिम्मेदारी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा स्कूल से खाली हाथ न लौटे। उमरिया ने एक मॉडल पेश किया है—अब इसे पूरे मध्यप्रदेश में लागू करने का वक्त है। जब हर स्कूल में शिक्षक मौजूद हों, हर कक्षा में ज्ञान की रोशनी हो, तभी हम कह सकेंगे कि हमने अपनी नींव बचा ली।

शिक्षा महज किताबों के पन्ने पलटना नहीं, बल्कि हर बच्चे के मन में छिपे सपनों को पंख देना है—उन सपनों को, जो आसमान छूने की हिम्मत रखते हैं। उमरिया की घटना ने हमें नींद से झटका देकर जगाया है—अब आँखें मूँदे रहने का वक्त नहीं, बल्कि उठ खड़े होने का समय है। सख्त अनुशासन की डोर, निगरानी का मजबूत जाल और बच्चों को दिल से प्राथमिकता देकर उठाया गया हर कदम ही इस डूबते तंत्र को बचा सकता है। आइए, आज एक पक्का इरादा करें—हर बच्चे को वह शिक्षा दें, जो उसका जन्मसिद्ध अधिकार है, जो उसके सपनों को हकीकत में बदल सके। क्योंकि जब शिक्षा का किला अडिग होगा, तभी मध्यप्रदेश का भविष्य सुनहरे सूरज सा दमकेगा। यह एक जुनून भरी पुकार है—शिक्षा को जिंदा रखें, बच्चों के सपनों को उड़ने दें।

प्रो. आरके जैन

पंजाब की अमन शान्ति को किसकी नजर?

पंजाब किसी समय में देश का सबसे अमन शान्ति, खुशहाली वाला राज्य हुआ करता था मगर अब मानो इसे किसी की नजर लग गई हो। पंजाब के लोगों ने कई बार संताप झेला, बावजूद इसके सभी लोग आपसी भाईचारे और प्यार भावना के साथ जीवन बसर करते, एक-दूसरे के दुख-दर्द को समझा करते मगर इस समय भाई ही भाई का बैरी होता जा रहा है। ज्यादातर युवा वर्ग नशे का आदी हो चुका है जो शायद इस माहौल के लिए सबसे अधिक जिम्मेवार है। नशा ना मिलने की स्थिति में लोग अक्सर चोरी, डकैती, हत्या तक की वारदात को अन्जाम दे देते हैं। दूसरा जिस प्रकार राजनीतिक लोगों ने अपने वोट बैंक की खातिर दूसरे राज्यों से लोगों को लाकर पंजाब में बसाया जा रहा है इसमें बहुत से लोग आपराधिक प्रवृत्ति के भी रहते हैं जो यहां आकर वारदातों को अन्जाम दे रहे हैं। यहां तक कि गुरु की नगरी अमृतसर जहां शायद ही कभी इस तरह की वारदात होती देखी थी, आज सबसे अधिक क्राईम देखा जा रहा है। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु रोजाना पहुंचते हैं उन्हें भी नहीं बख्शा जाता। अब इसके पीछे कौन सी ताकत काम कर रही है जो शायद पंजाब को प्रफुलित होता नहीं देख पा रही और उनकी पूरी कोशिश रहती है कि कैसे भी करके पंजाब में इस तरह का माहौल पैदा किया जाये। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ की मानें तो पहले अकालियों और अब भगवंत मान सरकार की नाकामी के चलते पंजाब में कई तरह के माफिया कार्यरत हैं और उन्हें इनके ही कुछ लोगों का समर्थन प्राप्त है। सबसे पहले उन पर काबू पाना होगा और उसके बाद नशे के कारोबार करने वालों पर लगाम कसनी होगी तभी पंजाब का माहौल ठीक किया जा सकता है। पंजाब में हिन्दू-सिख एकता में दरार डालने की भी पुनः कोशिशें की जा रही हैं उसे रोकना भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। कहीं ऐसा ना हो कि पंजाब फिर से काले दौर में वापिस लौट जाए। उस दौर में पंजाब को जो नुक्सान हुआ उसकी भरपाई पंजाब आज तक नहीं कर पाया है।

अकाली दल की भर्ती पर विवाद

बीते 2 दिसम्बर को श्री अकाल तख्त साहिब से पांच जत्थेदारों द्वारा फैसला सुनाते हुए अकाली दल की भर्ती को लेकर भी एक आदेश जारी किया गया था जिसमें भर्ती के लिए 7 सदस्यीय टीम का गठन भी हुआ था मगर बाद में 2 सदस्यों के द्वारा इस्तीफा दिये जाने के बाद केवल 5 सदस्य ही शेष रह गये। जब उन्होंने भर्ती अभियान की शुरुआत की तो सिख समुदाय के लोगों ने पूरी दिलचस्पी के साथ स्वैच्छा से सदस्यता ली है। इसके लिए 6 महीनों का समय रखा गया है जिसके बाद अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। मगर दूसरी ओर श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों को दरकिनार कर बादल परिवार की छत्रछाया में भी भर्ती अभियान चलाया जा रहा है जो शायद पहले की तरह केवल कागजों तक सिमट कर रह जाता है, क्योंकि वह चाहते ही नहीं कि कोई आम सिख अकाली दल का सदस्य बने। अगर ऐसा होता है तो शायद सुखबीर सिंह बादल को प्रधान बनाने की दिशा में बाधा आ सकती है जो वह कभी नहीं चाहते।

भर्ती अभियान से पैदा हुए विवाद से आम सिख काफी आहत दिखाई दे रहा है क्योंकि आए दिन दोनों गुटों के द्वारा एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए अपने भर्ती अभियान को जायज ठहराया जा रहा है। अब तो यह भी नहीं कहा जा सकता कि श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार इसमें हस्ताक्षेप करें क्योंकि जत्थेदार की पदवी भी इनकी गुटबाजी की भेंट चढ़ चुकी है। बादल समर्थक गुट के द्वारा नए जत्थेदार की ताजपोशी की जा चुकी है मगर दूसरा गुट अभी भी ज्ञानी रघुबीर सिंह को श्री अकाल तख्त साहिब और ज्ञानी हरप्रीत सिंह को तख्त दमदमा साहिब का जत्थेदार मानकर सम्मान देते हैं। सिख बुद्धिजीवी कुलमोहन सिंह का मानना है कि आने वाले दिनों में यह विवाद और गहरा सकता है क्योंकि बादल समर्थक जल्द ही भर्ती कार्य को पूरा कर सुखबीर सिंह बादल को पुनः प्रधान घोषित कर सकते हैं जिसे दूसरा गुट कभी बदार्शत नहीं करेगा। दल पंथ, निहंग जत्थेबंदियों, संत समाज का समर्थन भी उस गुट को प्राप्त है और वहीं आम सिख भी चाहता है कि परिवारवाद का खात्मा कर पंथक सोच वाली किसी धार्मिक शख्सीयत को अब आगे आकर अकाली दल की कमान संभालनी चाहिए जिससे अकाली दल की छवि फिर से बेहतर बनाई जा सके।

सिख पंथ की एकजुटता के लिए विचार

बीते दिनों न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री के द्वारा भारतीय प्रधानमंत्री और अन्य नेताओं के साथ मुलाकात कर कई अहम मसलों पर विचार हुआ जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा न्यूजीलैंड में खालिस्तानी गतिविधियों पर चिन्ता जताते हुए उन पर सख्त कार्रवाई की मांग की थी। अब न्यूजीलैंड के पूर्व मंत्री कंवलजीत सिंह बख्शी ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन इकबाल सिंह लालपुरा से भेंट की। दोनों नेताओं ने भारत और न्यूजीलैंड में सिख मसलों के समाधान, एकजुटता बहाल करने और खालिस्तानी गतिविधियों को कैसे रोका जाए पर विचार हुए। बख्शी कंवलजीत सिंह ने चिन्ता व्यक्त की कि भारत में एक बार फिर से ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है जिसमें सिख ही सिख का बैरी बनता जा रहा है। सिख पंथ में बढ़ते टकराव से आम सिख खासकर युवा वर्ग काफी आहत होता है मगर शायद कुछ ताकतें हैं जो इसे तूल देकर विवाद को और बढ़ाने में कामयाब होती दिख रही हैं। बख्शी कंवलजीत सिंह का समूचा परिवार हमेशा से ही कौम की सेवा करता आ रहा है। उनके पिता बख्शी जगदेव सिंह के समय भी ऐसा माहौल बना हुआ था जिसके बाद उन्होंने एक नारा दिया था ''जे सिख सिख नू ना मारे तो कौम कदे ना हारे'' जिसे दिल्ली की हर दीवार पर लिखा गया था। शायद आज भी आवश्यकता है सिख पंथ की एकजुटता के लिए कोई आगे आए।

अच्छी पहल- डा. गुरमीत सिंह सूरा जो कि भाजपा के कदावर सिख नेता हैं जो मानते हैं कि प्रमात्मा ने अगर उन्हें सर्मथ्य बनाया है तो उन्हें दूसरों की मदद करते रहना चाहिए। इसी के चलते वह हर साल अपने जन्मदिन पर 5 बच्चों की पूरी पढ़ाई की जिम्मेवारी उठाते हैं। इस बार भी उनके द्वारा इसे जारी रखते हुए 5 ऐसे बच्चों का चयन कर उनकी पढ़ाई की जिम्मेवारी उठाई, जिनके माता- पिता बच्चों को बेहतर एजुकेशन दिलाने में असमर्थ थे। डा. गुरमीत सिंह मानते हैं कि ऐसा करके उन्हें खुशी मिलती है। अक्सर देखा जाता है कि लोग धार्मिक स्थलों पर सोना, चांदी, हीरे जवाराहत चढ़ाते हैं, पर शायद उन्हें इस बात की जानकारी नहीं कि भगवान की खुशी इसी में रहती है कि आप जरूरतमंदों के मददगार बनें। सोना-चांदी दान करके आपको कुछ समय की खुशी मिलती हैं मगर आपके द्वारा दिलाई गई एजुकेशन से ना जाने कितने परिवारों के घरों में खुशियां आ सकती हैं।

जन-गण-मन, अधिनायक जय हे

हमारे राष्ट्रगान की उक्त पंक्तियों को मैं कभी नहीं भूलता, क्योंकि इसमें भारतीय जनतंत्र की, भारतीय गणतंत्र, की और भारतीय मानसिकता की जय के साथ-साथ उस अधिनायक की भी जय बोली गयी है जो अदृश्य है। भारतीय जनतंत्र और गणतंत्र के बीच छिपकर बैठा ये अधिकानायक हमेशा बहुमत के रूप में हमारे सामने प्रकट होता रहता है । इसका चेहरा कभी स्त्री का होता है तो कभी पुरुष का और कभी अर्धनारीश्वर का। अधिनायक की पहचान अक्सर संसद में किसी विधेयक पर मत विभाजन के समय होती है। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक 2024 पर मत विभाजन के समय भी ये अधिनायकत्व खुलकर सामने आया है।

वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों पर मौजूदा सरकार की नजर शुरू से थी लेकिन उसे कोई मौक़ा नहीं मिल रहा था,किन्तु हाल ही में महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में मिली जीत ने बैशाखी सरकार को इतना हौसला दिया कि वो मुसलमानों की टोपी जमकर उछाले। सरकार ने ऐसा किया भी। वक्फ बोर्ड क़ानून में संशोधन कर अपने लिए बोर्ड में घुसपैठ करने की गुंजायश निकाल ही द्यद्व। पूरा विपक्ष मिलकर भी इसे रोक नहीं पाया। रोक भी नहीं सकता था क्योंकि संख्या बल उसके पास नहीं था। अब ये विधेयक राजयसभा में भी आसानी से पारित होने के बाद क़ानून का रूप ले लेगा। अब विपक्ष इसे न कानून बनने से रोक सकता है और न इस पर अमल करने से।

लोकसभा में इस विवादास्पद विधेयक पर पूरे 12 घंटे बहस चली। मुमकिन है कि आप में से बहुत कुछ ने ये पूरी बहस देखी हो, लेकिन मैंने इसे पूरा देखा, सुना। इसलिए मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि सत्ता के लालच में टीडीपी और जेडीयू जैसे कथित धर्मनिरपेक्ष दलों ने जहां अपना दीन-ईमान बेच दिया वहीं उद्धव ठाकरे की शिव सेना और तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे लोग बिना लाभ-हानि की फ़िक्र किये विधेयक के विरोध में डटे रहे।अब पूरी मोदी सेना विपक्षी सांसदों को काफिर ठहराने पर लगी है। यानी मुसलमानों का समर्थन करना काफिर होना है और विरोध करना सनातनी होना है।

भारत की आजादी के पहले के और बाद के इतिहास में किसी एक बिरादरी के साथ इस तरह के दोयम दर्जे के नागरिकों जैसा बर्ताव कभी नहीं हुआ। मुगलों के जमाने में तो ऐसे बर्ताव का सवाल ही नहीं उठता लेकिन अंग्रेजों ने भी ये जुर्रत नहीं की जो आज की जा रही है। सरकार की रीती, नीति और कार्यक्रम न जाने क्यों अचानक मुसलमान विरोधी हो गए हैं। सरकार अपने कार्यक्रमों और नीतियों के जरिये मुसलमानों को मुसलमान बना देने पर आमादा है। लेकिन ऐसा होगा नहीं। सरकार के मुस्लिम विरोधी रवैये से मुसलमान को अपने शुभचिंतक चुनने में पहले के मुकाबले ज्यादा आसानी होगी।

अभी तक राजनीतिक दलों पर मुसलमानो को तुष्ट करने का आरोप लगता था किन्तु अब मुसलमानों के हाथ में ये मौक़ा आया है की वे अपनी पसंद के राजनीतिक दलों को तुष्ट और पुष्ट करें। मुसलमान किस दल के साथ रहना चाहते हैं ये तय करने वाले हम और आप कोई नहीं हैं किन्तु हम लोकतंत्र में अधिनायक की पहचान में सबकी मदद कर सकते है। मुसलमानों की भी और हिन्दुओं की भी। आज से पचास साल पहले हम और इशाक भाई एक साथ एक क्लास में पढ़ते थे,खाते थे,खेलते थे । हमारी माँ और फ़रीदा बेगम में बहुत फर्क नहीं था । दोनों के आंचल की छांव एक जैसी थी, लेकिन अब सब बदल चुका है। न इशाक हमारे साथ और न फ़रीदा बेगम। सियासत ने सभी को पराया बना दिया है। कोई डर की वजह से पराया हुआ है तो कोई सियासत की वजह से ।

संख्या बल के चलते वक्फ बोर्ड विधेयक राजयसभा में भी आसानी से पारित होगा,इसलिए वहां इस विधेयक पर बहस करने का कोई मतलब नहीं है। बहुमत के बूटों से अक्लियत का कुचला जाना अकलियत के लोगों की नियति बन चुकी है। फिर भी उम्मीद है कि बी भारत में जैसे हिलमिलकर हम सब रहते थे वैसे ही आगे भी रहेंगे। नहीं रहेंगे तो सब बर्बाद हो जायेंगे। हमारा भी वही हाल होगा जो किसी जमाने में महाराणा प्रताप का हुआ,छत्रपति शिवाजी का हुआ। छत्तरसाल का हुआ, लक्ष्मीबाई का हुआ। बंटा हुआ समाज कभी देश की ताकत नहीं हो सकता। बंधी हुई मुठ्ठी ही लाख की होती है,खुल गयी तो ये मुठ्ठी खाक की हो जाती है। मैं न काफिर हूँ और न मुसलमान ,लेकिन मैं भी उसी तरह सनातनी भारतीय हूँ जिस तरह इस देश के सनातनी मुसलमान हैं। उनका भाग्य बैशाखी लगाकर सरकार चलने वाले तय नहीं कर सकते। किन्तु दुर्भाग्य है कि वे ऐसा कर रहे हैं।

ऐसे मौकों पर मुझे 'मेरे महबूब 'फिल्म का वो गीत अक्सर याद आता है जिसे शकील बदायूनी ने लिखा था। -कोई देखे या न देखे ,अल्ला देख रहा है। 'हमारी सरकार अल्लाह की सरकार नहीं है । वो राममजी की सरकार है इसलिए अल्लाह से डरती नहीं है। उसके लिए ईश्वर, अल्लाह तेरो ही नाम नहीं है। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक से हमारा कुछ बनना और बिगड़ना नहीं है । जिनका बनना और बिगड़ना है, उन्हें तय करना है कि वे इस मसले पर कैसे अपनी प्रतिक्रिया दें। उनके सामने दोनों विकल्प हैं। वे चाहें तो सरकार के सामने घुटने टेकेन और न चाहें तो सरकार को घुटे टेकने पर विवश करें। सरकार को न अदालत रोक सकती है और न अल्ला। सरकार को केवल और केवल वोट रोक सकता है। जो वोट की ताकत नहीं जानते, वे कुछ नहीं जानते।

इस देश में रामजी कि सरकार कभी हिन्दू मंदिरों के न्यासों के घपलों के बारे में कभी गंभीर नहीं हो सकती । कभी ये नहीं कहने वाली कि सौ साल पहले हिन्दू मंदिरों की आय कितनी थी और आज कितनी है । सौ साल पहले हिन्दू मंदिरों कि सम्पत्ति कितनी थी और आज कितनी है? ये सरकार कभी ये देखना और जानना या रोकना पसंद नहीं करेगी कि हिन्दू मंदिरों के ट्रस्टों कि आड़ में देश के राजे-महाराजाओं ने अपनी कितनी सम्पत्ति कराधान से बचा रखी है ? अकेले ग्वालियर में एक ही राज परिवार के 19 ट्रस्ट इसी तरह से करचोरी के धंधे में लगे हैं। हरि अनंत, हरि कथा अनंता ।

राकेश अचल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त ख़बरें

लखनऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई-अपहरण और फिरौती मांगने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ राजधानी लखनऊ में गुरुवार को गुडम्बा थाना और सर्विलांस सेल उत्तरी की संयुक्त पुलिस टीम ने 15 लाख रुपये की फिरौती के लिए अपहरण करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सुरेंद्र शर्मा और नीरज यादव को छठामील-रैथा मार्ग से सुबह गिरफ्तार किया। ज्ञात हो कि बुधवार को पीड़ित पक्ष ने गुडम्बा थाने में आरोपियों द्वारा अपहरण और फिरौती मांगने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए गुरुवार को 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

इस कार्रवाई को डीसीपी उत्तरी के निर्देशन में पुलिस टीम ने अंजाम दिया है। यह कार्रवाई लखनऊ पुलिस की अपराध नियंत्रण में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वक़्फ़ बिल के खिलाफ जारी रहेगा संघर्ष- विधायक इजहार असफी

किशनगंज/कोचाधामन-विधायक हाजी इजहार असफी ने कहा कि वक़्फ़ बिल के खिलाफ हमारा संघर्ष निरंतर जारी रहेगा ।यह संपत्ति हमारी है और इसमें हमारा अधिकार रहेगा। वहीं विधायक इजहार असफी ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन हम सहन नहीं करेंगे। वक़्फ़ संशोधन बिल को वापस लिया जाना चाहिए। अगर नहीं लिया तो हम चुप नहीं बैठेंगे। बता दें कि वक़्फ़ बिल पेश होने के बाद क्षेत्र में सरगर्मी तेज हो गई है। इससे नाराज होकर खासकर जदयू के कई कार्यकर्ताओं ने पार्टी से इस्तीफा देने की पेशकश कर दी है। और इंटरनेट मीडिया फेसबुक पर अपनी राय साझा भी किया है।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन ने लिया तैयारियों का जायजा

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डॉ राजागणपति आर0 व डॉ अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक द्वारा शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज क्षेत्र में भ्रमण कार्यक्रम को लेकर हेलीपैड, मंच, कार्यक्रम स्थल आदि का निरीक्षण किया गया तथा ड्यूटी में लगे पुलिस अधिकारी ,कर्मचारी को ब्रीफ कर पुलिस व्यवस्थापन, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था व पार्किंग व्यवस्था आदि के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया ।

वीरपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हथियार व संदिग्ध सामान के साथ दो गिरफ्तार

वीरपुर (बिहार)- वीरपुर थाना पुलिस ने गुरुवार की मध्य रात्रि गश्ती के दौरान बादशाह चौक के पास गुप्त सूचना के आधार पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर 26 वर्षीय टिपू सुल्तान के पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस (8रूरूचस्न अंकित) और रेडमी कंपनी का टचस्क्रीन मोबाइल बरामद हुआ। वहीं, 28 वर्षीय अकबर अली के पास से एक पुराना सिलाई मशीन, सैमसंग मोबाइल, भारतीय मुद्रा 545 (पुराने नोट व सिक्कों में) और कुरकुरे

से भरा एक बोरा मिला। पुलिस ने तत्काल दोनों को हिरासत में ले लिया और जांच शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वे इन सामग्रियों के साथ क्षेत्र में क्या करने की फिराक में थे। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी वीरपुर, जिला सुपौल के वार्ड नंबर-07 के निवासी हैं। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस की सतर्कता का संकेत मिलता है। पुलिस अधिकारियों ने आम जनता से भी अपील की है कि अगर उन्हें किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले, तो वे तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

क्रॉप कटिंग में 47 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार आंकलित

देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की उपस्थिति में सदर तहसील के ग्राम सोन्दा में गेहूं के फसल की कटाई करायी गई। कृषक रामकेवल गुप्ता के 0.004 हेक्टेयर क्षेत्रफल में कटाई की गई जिसमें कुल पैदावार 20 किलो 200 ग्राम निकला। उक्त खेत में प्राप्त गेहूं की उपज के आधार पर उत्पादकता 47 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंकलित की गई। इस अवसर पर तहसीलदार कृष्णकांत मिश्रा, कानूनगो अश्विनी श्रीवास्तव एवं लेखपाल मानवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

जनपद में 53 ग्राम पंचायतें हुई टीवी मुक्त, सभी ग्राम प्रधानों को डीएम व सीडीओ ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

● - डीएम व सीडीओ की प्रेरणा से जनपद के सभी टीवी मरीजों को अधिकारियों, कर्मचारियों व अन्य लोगों ने लिया गोद

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में प्रधानमंत्री टी0बी0 मुक्त अभियान के अन्तर्गत वर्ष-2024 में टी0बी0 मुक्त घोषित ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया, बताते चलें कि वर्तमान में जनपद में कुल 6125 सक्रिय टी0बी0 मरीज है जिनका इलाज चल रहा है प्रधानमंत्री टी0बी0 मुक्त अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2023 में कुल 1067 ग्राम पंचायतों में से 17 ग्राम पंचायतें जनपद में टी0बी0 मुक्त हुई थी, वर्ष-2024 के प्रधानमंत्री टी0बी0 मुक्त अभियान के अन्तर्गत सर्वप्रथम विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहाकार डा0 दीपक चतुर्वेदी ने टी0बी0 मुक्त की अवधारणा के बारे में बताया कि यदि ग्राम पंचायत में 1000 की जनसंख्या है तो पूर्ण वर्ष में कम से कम 30 लोगो की जॉच होनी चाहिये 01 अधिक मरीज नहीं होने चाहिये, सभी मरीजों की यू0डी0एस0टी0 होनी चाहिये, आउटकम 85 प्रतिशत होना चाहिये तथा निःक्षय पोषण योजना के अन्तर्गत भारत सरकार के तरफ से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि रु 1000.00 प्रति माह सभी मरीजों को मिल जानी चाहिये। साथ ही साथ सभी मरीजों को गोद भी लिया गया हो।वर्ष-2024 में कुल 59 ग्राम पंचायतों ने टी0बी0 मुक्त हेतु आवेदन किया था परन्तु जनपद की 16 टीमों ने राज्य स्तर से प्राप्त सूचकांको के आधार पर सत्यापन किया जिसमें 06 ग्राम पंचायतें अयोग्य पायी गयी, तथा 53 ग्राम पंचायतो का दावा योग्य पाया गया। जिनमें से 09 ऐसी ग्राम पंचायतें थी जो गत वर्ष भी टी0बी0 मुक्त घोषित हुयी थी तथा 44 नई ग्राम पंचायतें टी0बी0 मुक्त हुई। 09 ग्राम पंचायतों को महात्मा गाँधी जी की रजत रंग की मूर्ति तथा एक प्रमाण पत्र एवं 44 ग्राम पंचायतो को कॉस्य रंग की मूर्ति तथा प्रमाण पत्र जनपद की जिलाधिकारी श्रीमती नेहा शर्मा तथा मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अंकिता जैन द्वारा ग्राम प्रधानोंछ को दिया गया। जिलाधिकारी, द्वारा ग्राम प्रधानों से कहा गया कि आप कुपोषण मिटाने का संकल्प लें, जिससे टी0बी0 जैसी बीमारी लोगों के करीब ना आ सके। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि किसी भी जनपद की सबसे छोटी इकाई गाँव होती है इसलिये इस अभियान के अन्तर्गत ग्रामों को टी0बी0 मुक्त किया जा रहा है जिससे सम्पूर्ण जनपद टी0बी0 मुक्त हो सके तथा माननीय प्रधानमंत्री जी के संकल्प वर्ष- 2025 में टी0बी0 मुक्त भारत को पूर्ण किया जा सके। इस वर्ष इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषता रही कि महिला प्रधान सम्मान लेने आई, एंव उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी के आहवाहन पर टी0बी0 विषय पर बोली ब्लाक परसपुर के गाँव अकोरी के प्रधान तामकेश्वर सिंह ने टी0बी0 विषय पर बोलते हुये कहा कि भारत सरकार की यह पहल अत्यन्त सराहनीय है तथा जनपद के जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी की पहल पर टी0बी0 मरीजों को गोद लिये जाने का कार्यक्रम बहुत सफलता पूर्वक पूर्ण हुआ। इस कार्यक्रम में बताते चलें कि ब्लाक बेलसर के गाँव मरगूबपुर, मनकापुर के ग्राम करनुपुरराजा, ब्लाक वजीरगंज के 02 गाँव, 02 गाँव मैनपुर एवं पहली, ब्लाक मुजेहना के गाँव शुक्लपुर ब्लाक हलधरमऊ के गॉव भुलभुलिया, ब्लाक बभनी एवं चकपान ब्लाक नवाबगंज के ब्लाक इटियाथोक के गाँव बरडॉड कुल 09 ऐसे ग्राम है जो वर्ष 2023 में भी टी0बी0 मुक्त हुये थे तथा वर्ष 2024 में भी टी0बी0 मुक्त घोषित हुई जिला पंचायत राज अधिकारी लाल जी दूबे एव विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहकार डा0 दीपक चतुर्वेदी को जिला क्षय रोग विभाग की तरफ से उनके द्वारा टी0बी0 मुक्त कार्यक्रम में किये गये विशेष सहयोग हेतु मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया।

समस्तीपुर में फंदे से लटकी मिली विवाहिता का शव, परिजनों ने ससुरवालों पर लगाया हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर- समस्तीपुर के दलसिंहसराय में एक विवाहित का शव कमरे में फंदे से लटका मिला है। घटना दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के अशीनचक गांव की है, जहां गुरुवार की देर शाम किशुन देव राम की पत्नी रेखा देवी (21) संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटकी मिली। मृतका के परिजनों ने ससुर और ननद पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद ससुराल वाले घर से फरार हैं। जानकारी के अनुसार विभूतिपुर थाना क्षेत्र के चकविदौलिया गांव की रहने वाली रेखा देवी की शादी वर्ष 2023 में किशुन देव राम से हुई थी। किशुन देव तमिलनाडु की एक फैक्टरी में काम करता है और तीन महीने पहले ही वहां गया है। महिला की एक 6 महीने की बेटी है। वहीं मौत की खबर के बाद से उसका पति फोन नहीं उठा रहा है। मृतका की बहन ने बताया कि रेखा को उसके ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। जब भी वह मायके आती थी दहेज की बची हुई रकम की मांग के बारे में बताती थी। बेटी के जन्म के बाद से ससुर और ननद का उत्पीड़न और अधिक बढ़ गया था। इस मामले में परिजनों ने ससुर व ननद पर हत्या का केस दर्ज कराया है। इस संबंध में दलसिंहसराय थाना प्रभारी इरशाद आलम ने बताया कि गुरुवार की देर शाम पुलिस को इसकी सूचना मिली।

समस्तीपुर में पारिवारिक कलह से तंग आ कर व्यक्ति ने की आत्महत्या, परिजनों में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर- समस्तीपुर में पारिवारिक कलह से तंग आकर एक व्यक्ति ने घर में फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रामपुर दूधपुरा गांव के स्व. नागेंद्र शाह के बेटे चंदन शाह (42 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची मुफ्फसिल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद सदर अस्पताल भेज दिया है। इस घटना के बाद परिवार वालों का रो-रोकर हाल बेहाल है।

मृतक के भाई सूरज शाह ने बताया कि पति-पत्नी के बीच संबंध अच्छे नहीं थे। हालांकि किसी को नहीं पता था कि वह इतना बड़ा कदम उठा लेंगे। 15 साल पहले उनकी शादी हुई थी। उसके दो बच्चे भी हैं। उसने बताया कि इस शिवरात्रि के दिन भाभी सोनी देवी अपने दोनों बच्चों को लेकर अपने मायके दरभंगा जिले के मोहम्मदपुर गांव चली गई। चंदन ने पत्नी को वापस आने के लिए कई बार फोन किया, लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिला।

9 दुकानों में भीषण चोरी, चौकीदार को खंभे से बांध अपराधियों का तांडव

स्वतंत्र प्रभात

सुपौल- जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-106 पर स्थित किसान चौक गुरुवार रात अपराधियों के आतंक का गवाह बना। हथियारबंद बदमाशों ने 9 दुकानों के ताले तोड़ लाखों रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने रात्रि गश्ती में तैनात चौकीदार को बंधक बनाकर खंभे से बांध दिया और मंदिर के पुजारी को सामुदायिक भवन में बंद कर दिया।

व्यापारियों को बनाया निशाना

वस्त्र और मोबाइल दुकानों में बड़ी चोरी चेतन चांद वस्त्रालय से हजारों रुपये के नए वस्त्र चोरी हुए। शैलेन्द्र कुमार की दुकान से 12 पीस सूट (2100 रुपये), 80 पीस कपड़े (1300 रुपये), 60 साड़ियां (600 रुपये प्रति साड़ी) और 1000 रुपये नकद चोरी हुए। मोबाइल दुकानदार महेश कुमार की दुकान से 12 आइटेल मोबाइल (15 हजार), 4 स्मार्टफोन (35 हजार), 8 ब्लूटूथ बड्स, 10 स्पीकर और पुराने मोबाइल चोर ले गए। हरेराम की मोबाइल दुकान से करीब 70 कीपैड मोबाइल, 10 बड्स, 15 पंखे, 2000 रुपये नकद, पुराने मोबाइल और चार्जर भी चोरी हो गए।

ज्वेलरी और इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानें भी लूटी गईं

शंकर कुमार साह की इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान से 15 स्टैंड पंखे, 60 छत पंखे, आधा दर्जन मोटर और 1100 रुपये नकद चोरी हुए। राज राधा ज्वेलर्स के मालिक अजय कुमार स्वर्णकार ने बताया कि करीब ढाई किलो चांदी (पायल, चेन, अंगूठी, बिछिया, हार) और 10 ग्राम सोना (नकमुन्नी, हनुमान चकती, अंगूठी) चोरी हो गया। यह दुकान तीन साल पहले भी चोरी का शिकार हो चुकी है।

किराना और सब्जी दुकानों में भी सेंधमारी

शंभु चौधरी की किराना दुकान से काजू, किसमिस, छोहरा, सरसों तेल, रिफाइंड, सर्फ, गुटखा, खैनी, सिगरेट, दाल, साबुन, मसाले, चावल समेत हजारों की सामग्री और 3500 रुपये नकद चोरी किए गए। प्रमोद मेहता की सब्जी दुकान से भी पुराना पंखा और अन्य सामान चुरा लिया गया। अनोज पंडित की साइकिल दुकान और मो. जियाउल की कपड़ा व जूता दुकान का ताला तोड़ा गया, लेकिन कोई सामान नहीं ले जाया गया।

चौकीदार को बंधक बनाकर पीटा, पुजारी को किया कैद

रात्रि गश्ती में तैनात चौकीदार सुमन कुमार ने बताया कि टॉर्च जलाने पर अपराधी उसे खदेड़ने लगे। जब वह एक गुमटी के नीचे छिपा, तो बदमाशों ने ईंट-पत्थर से हमला कर उसे बाहर निकलने पर मजबूर किया। इसके बाद अपराधियों ने उसे पीटकर खंभे से बांध दिया। सभी बदमाश देसी कट्टे से लैस थे। राघोपुर थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि घटना के बाद पुलिस जांच में जुट गई है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

छिनतई का बदला ट्रेंड आंटी आंटी बोल बुलाया गले से चेन छीन हुआ फरार

● - चेन स्नेचरो ने महिला डाकपाल को बनाया निशाना

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज,सुपौल, बिहार- लगता है अब अपराधियों ने अपराध करने के लिए नए नए तरीके ईजाद कर पुलिस को भी सोचने के लिए मजबूर कर दिया है।

अब शहर के रास्तों से गुजरने वाली महिलाए चेन स्नेचर गैंग के सॉफ्ट टारगेट बन रही हैं। मुख्य बाजार स्थित पंचमुखी होटल के पीछे सत्संग मंदिर के समीप चेन स्नेचिंग का एक अजूबा वारदात सामने आई। जो पुलिस को भी सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। जहाँ रास्ते से गुजर रही महिला डाकपाल को अपराधियों ने निशाना बनाया। घटना बुधवार की शाम की बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल पर पहुँचकर घटना की छानबीन में जुट गई है। इस घटना में पुलिस ने केस दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी हुई है।

पीड़ित महिला डाक पाल नप क्षेत्र के बलजोरा निवासी रेखा देवी ने बताया कि वह शाखा डाकघर बलजोरा में डाक पाल के पद पर कार्यरत है। बुधवार की शाम को उप डाकघर त्रिवेणीगंज से डाक लेकर बाजार स्थित अपने निवास पंचमुखी होटल के पीछे सत्संग भवन के पास जा रही थी। वह जैसे ही मैं सत्संग भवन के पास पहुंची तो पहले से घात लगाए दो बदमाश लाल रंग की बाईक से मुझे पीछे से आंटी - आंटी बोलकर आवाज देने लगे और जैसे ही वह आवाज सुन

पीछे मुड़ी एक बदमाश ने गले से सोने की चैन जिसका कीमत एक लाख पच्चीस हजार थी, वे छीनकर पंचमुखी होटल सड़क के तरफ भाग निकला। जब पीछे से मैंने देखा तो गाड़ी बिना नंबर प्लेट का था। दोनों बदमाश मास्क लगाए हुए था। जिन्हें मैं पहचान नहीं पाई।

थानाध्यक्ष रामसेवक रावत ने बताया कि केस दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उक्त बदमाशों को चिन्हित करने की कार्यवाई की जा रही है। जल्द ही चेन स्नेचर पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मंझेला, विकास खण्ड-दरियाबाद, बाराबंकी

पत्रांक मेमो / मनरेगा/ग्रा0पं0-मंझेला/सामग्री-आपूर्ति/निविदा-प्रकाश/दरि0/2025-26 **01-04-2025**

-:अल्पकालीन निविदा सूचना :-

विकास खण्ड दरियाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मंझेला बाराबंकी मे मनरेगा योजनान्तर्गत जनहित मे निम्नलिखित कार्य कराया जाना है जिसके लिए संलग्न बिल आफ क्वान्टिटी के अनुसार सामग्री आपूर्ति हेतु जीएसटी पंजीकृत फर्म मालिक/ठेकेदार/आपूर्तिकर्ताओं से स्वीकृत दरो के अधीन निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सामान आपूर्ति की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय से दिनांक 02-04-25 से 16-4-2025 तक किसी भी कार्यदिवस मे निर्धारित धनराशि जमा करके प्राप्त किये जा सकते है। मोहरबन्द निविदायें दिनांक 17-04-2025 को प्रात: 10 से 02 बजे अपरान्ह तक निविदा बाक्स मे डाली जायेगी तथा दिनांक17-04-25 को ही सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय /पंचायत भवन मे उपस्थित निविदाताओं के समक्ष ग्राम पंचायत की निविदा समिति के द्वारा समय 3.00 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	ग्राम पंचायत का नाम	कार्य का विवरण	कार्य की मात्रा	सामग्री की जीएसटी सहित लागत (रू0 लाख मे)	आपूर्ति ली जाने सामग्री का विवरण	धरोहर राशि (रू0 मे)	निविदा मूल्य	अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8.	9.
	मंझेला	गौ आश्रय स्थल मंझेला मे अतिरिक्त टीन शेड निर्माण कार्य 3148012035/AV/9584862558 24166967	25×8	9,90,538	बालू, सीमेन्ट, मौरंग, गिटटी, सरिया, ईट इत्यादि	2 प्रतिशत	500	3 माह

1. धरोहर राशि का राष्ट्रीकृत बैंक/पोस्ट आफिस द्वारा निर्गत डिमाण्ड ड्राफ्ट/पे-आर्डर्स/प्रतिभूति प्रमाण जो पंचायत मंझेला विकास खण्ड दरियाबाद के नाम बन्धक करते हुए निविदि फार्म के साथ संलग्न करना होगा।
2. आपूर्तिकर्ता को संलग्न बिल आफ क्वान्टिटी के अनुसार उपरोक्त वर्णित सामग्री की आपूर्ति सम्बन्धित सचिव / प्रधान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता के द्वारा बताये गये निर्दिष्ट समय/स्थान पर सामग्री आपूर्ति करना होगा।
3. आपूर्ति की गयी सामग्री का मनरेगा योजनान्तर्गत धनराशि उपलब्ध होने पर ही नियमानुसार भुगतान की कार्यवाही की जायेगी, विलम्ब आदि के लिए कार्यर्यादायी संस्था उत्तरदायी नही होगी।
4. जी0एस0टी0 पंजीकृत बिल ही मान्य होगा।
5. विभिन्न प्रकार के शासकीय करों के भुगतान का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा।
6. आपूर्ति की गयी समाग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप करने के उत्तरदायित्व आपूर्तिकर्ता होगा।
7. आपूर्ति की गयी सामग्री के भाडा/किराये का अलग से भुगतान देय नही होगा।
8. निविदा स्वीकृत होने पर सम्बन्धित फर्म मालिक ठेकेदार/आपूर्तिकर्ताओं से अनुबन्ध निष्पादित हो जाने पर पंचायत मंझेला मे उपरोक्तानुसार/प्राक्कलित/स्वीकृत सामग्री सम्बन्धित सचिव/प्रधान/तकनीकी सहायक / अभियन्ता के निर्देशानुसार उनके द्वारा निर्दिष्ट समय/स्थान पर सामग्री आपूर्ति करने पर विफल रहने पर धरोहर जब्त करने का ग्राम पंचायत का होगा।
9. सामग्री आपूर्ति का बिना कराण बताये अनुबन्ध निरस्त करने का अधिकार सचिव/प्रधान/निविदा समिति मंझेला मे निहित होगा।

तकनीकी सहायक ग्रा0पं0-मंझेला दरियाबाद, बाराबंकी | **सचिव ग्रा0पं0-मंझेला दरियाबाद, बाराबंकी** | **प्रधान ग्रा0पं0-मंझेला दरियाबाद, बाराबंकी**

कार्यालय ग्राम पंचायत उफरौली, विकास खण्ड-दरियाबाद, बाराबंकी

पत्रांक मेमो / मनरेगा/ग्रा0पं0-उफरौली /सामग्री-आपूर्ति/निविदा-प्रकाश/दरि0/2025-26 **04/04/2025**

-:अल्पकालीन निविदा सूचना :-

विकास खण्ड दरियाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत उफरौली बाराबंकी में मनरेगा योजनान्तर्गत जनहित में निम्नलिखित कार्य कराया जाना है जिसके लिए संलग्न बिल आफ क्वान्टिटी के अनुसार सामग्री आपूर्ति हेतु जीएसटी पंजीकृत फर्म मालिक ठेकेदार/आपूर्तिकर्ताओं से स्वीकृत दरो के अधीन निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सामान आपूर्ति की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय से दिनांक 5-4-25 से 19-4-25 तक किसी भी कार्यदिवस मे निर्धारित धनराशि जमा करके प्राप्त किये जा सकते है। मोहरबन्द निविदायें दिनांक 19-4-25 को प्रात: 10 से 02 बजे अपरान्ह तक निविदा बाक्स में डाली जायेगी तथा दिनांक 19.04.2025 को ही सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय / पंचायत भवन में उपस्थित निविदाताओं के समक्ष ग्राम पंचायत की निविदा समिति के द्वारा समय 3.00 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	ग्राम पंचायत का नाम	कार्य का विवरण	कार्य की मात्रा	सामग्री की जीएसटी सहित लागत (रू0 लाख मे)	आपूर्ति ली जाने सामग्री का विवरण	धरोहर राशि (रू0 मे)	निविदा मूल्य	अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	उफरौली	खेमापुर नहर पटरी से रामकेतार के घर तक इण्टरलाकिग 3148012070/RC/958486 255823655354	200×2.50	9,95,559	गिटटी, मौरंग, बालू, सीमेन्ट, सरिया, ईट, इण्टरलांकिग ईट इत्यादि	2 प्रतिशत	500	03 माह
2	उफरौली	अवधराम के घर से मनोरथ के घर तक इण्टरलांकिग 3148012070/RC/958486 255823655355	210×3.30	9,99,121	गिटटी, मौरंग, बालू, सीमेन्ट, सरिया, ईट, इण्टरलांकिग ईट इत्यादि	2 प्रतिशत	500	03 माह

1. धरोहर राशि का राष्ट्रीकृत बैंक/पोस्ट आफिस द्वारा निर्गत डिमाण्ड ड्राफ्ट/पे-आर्डर्स/प्रतिभूति प्रमाण जो पंचायत उफरौली विकास खण्ड दरियाबाद के नाम बन्धक करते हुए निविदि फार्म के साथ संलग्न करना होगा।
2. आपूर्तिकर्ता को संलग्न बिल आफ क्वान्टिटी के अनुसार उपरोक्त वर्णित सामग्री की आपूर्ति सम्बन्धित सचिव / प्रधान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता के द्वारा बताये गये निर्दिष्ट समय/स्थान पर सामग्री आपूर्ति करना होगा।
3. आपूर्ति की गयी सामग्री का मनरेगा योजनान्तर्गत धनराशि उपलब्ध होने पर ही नियमानुसार भुगतान की कार्यवाही की जायेगी, विलम्ब आदि के लिए कार्यर्यादायी संस्था उत्तरदायी नही होगी।
4. जी0एस0टी0 पंजीकृत बिल ही मान्य होगा।
5. विभिन्न प्रकार के शासकीय करों के भुगतान का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा।
6 . आपूर्ति की गयी समाग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप करने के उत्तरदायित्व आपूर्तिकर्ता होगा।
7. आपूर्ति की गयी सामग्री के भाडा/किराये का अलग से भुगतान देय नही होगा।
8. निविदा स्वीकृत होने पर सम्बन्धित फर्म मालिक ठेकेदार/आपूर्तिकर्ताओं से अनुबन्ध निष्पादित हो जाने पर पंचायत उफरौली मे उपरोक्तानुसार/प्राक्कलित/स्वीकृत सामग्री सम्बन्धित सचिव/प्रधान/तकनीकी सहायक / अभियन्ता के निर्देशानुसार उनके द्वारा निर्दिष्ट समय/स्थान पर सामग्री आपूर्ति करने पर विफल रहने पर धरोहर जब्त करने का ग्राम पंचायत का होगा।
9. सामग्री आपूर्ति का बिना कारण बताये अनुबंध निरस्त करने का अधिकार सच्ची प्रधान निविदा समिति अतरौली में निहित होगा।

तकनीकी सहायक ग्रा0पं0-उफरौली दरियाबाद, बाराबंकी | **सचिव ग्रा0पं0-उफरौली दरियाबाद, बाराबंकी** | **प्रधान ग्रा0पं0-उफरौली दरियाबाद, बाराबंकी**

संक्षिप्त ख़बरें

शहडोल संभाग के अंतर्गत हवाई सुविधा के प्रस्ताव पर शासन विभाग द्वारा कि किसी प्रकार की कोई का कार्यवाही आज तक नहीं हो पाई।

कांग्रेस के नेता लवकेश गर्ग लवकेश गर्ग ने बताया की लालपुर एयरपोर्ट का उन्नयन प्रस्ताव शहडोल जिला मुख्यालय से लगा हुआ लालपुर हवाई अड्डा है लेकिन जिला प्रशासन और विमानन विभाग द्वारा लालपुर हवाई पट्टी का उन्नयन प्रस्ताव पर कोई कार्यवाही नहीं हुई इसलिए आज इसलिए शहडोल जिला का व्यापार एवं मेडिकल सुविधा का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है शहडोल जिले के आसपास जबकि शहडोल जिले के आसपास 6 से बड़े ज्यादा उद्योग है इसमें रिलायंस प्रोजेक्ट पेपर मिल सच्चाई बिरसिंहपुर पाली जेनरेटिंग कंपनी थर्मल पावर माइंस एसेंशियल जैतहरी निजी पावर हाउस बांधवगढ़ टाइगर कंजर्वेशन भी शामिल है 16 अगस्त 2021 जिला प्रशासन ने विभाग भोपाल को 62 करोड़ 73 लख रुपए से लालपुर हवाई पट्टी भेजा था उन्नयन का प्रस्ताव भेजा था इस प्रस्ताव में अभी तक कोई विचार नहीं किया गया कांग्रेस नेता लवकेश गर्ग ने संभाग के आठ विधायक मंत्री प्रभारी मंत्री हर महीने की मीटिंग करने जिला कलेक्ट्रेट आते हैं तब भी आज तक किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हुई संभाग के नागरिक केंद्र सरकार से मांग की है शहडोल आदिवासी बहुल जिला है एयरपोर्ट बन जाने से विकास की नई गति एवं रोजगार मिलेगा इसके पहले भी समाचार पत्रों के माध्यम से प्रशासन जिला प्रशासन को अगस्त कर चुके हैं लेकिन अभी भी कोई विचार नहीं किया जा रहा है।

निलंबित डीपीआरओ को हाईकोर्ट से मिली जमानत

मथुरा में तैनाती के दौरान रिश्वत लेते पकडा गया था

मथुरा। करीब एक महीने के बाद निलंबित डीपीआरओ को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। उन्हें गुरूवार को हाईकोर्ट से जमानत मिली। चार फरवरी को मथुरा से उन्हें रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। निचली अदालत से जमानत याचिका खारिज हो जाने के बाद किरण चौधरी ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाई, गुरूवार को उन्हें हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। उनके साथ सेवानिवृत चालक बिजेन्द्र सिंह को भी गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार करने के बाद दोनों को भ्रष्टाचार निवारण न्यायालय मेरठ में पेश किया गया था। जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया था। इसके बाद किरण चौधरी की ओर से भ्रष्टाचार निवारण न्यायालय मेरठ में जमानत के लिए अर्जी दाखिल की गई। लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। और अब उन्होंने जमानत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में अर्जी लगाई। आज सुनवाई के बाद निलंबित डीपीआरओ किरन चौधरी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है।

शहर की सड़कों के गड्ढे भरने में लगा नगर निगम

मथुरा। नगर निगम मथुरा वृंदावन द्वारा नगर निगम मथुरा-वृंदावन क्षेत्र अंतर्गत गड्ढा मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत शहर की टूटी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए नगर निगम ने वृहद स्तर पर पैच वर्क का कार्य शुरू कर दिया गया है। मथुरा जोन के अंतर्गत जन्मभूमि के आसपास क्षेत्र, जनरल गंज , सदर क्षेत्र में पैच वर्क का कार्य चल रहा है। इसी प्रकार अन्य क्षेत्रों में शहर की समस्त सड़कें जो कि निगम की है , जिन स्थानों पर पैच वर्क की आवश्यकता है । उन पर बारी बारी से पैच वर्क का कार्य कराया जाएगा। गड्ढा मुक्त अभियान अभियान नगर निगम द्वारा निरंतर जारी रहेगा ताकि शहर के सभी क्षेत्रों में सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाया जा सके।

गोवर्धन चौराहे से गैंगस्टर योगेश गिरफ्तार

मथुरा। थाना मगोर्रा पुलिस ने गैंगस्टर अभियोग के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के खिलाफ धारा 379, 411 आईपीसी व 136 विद्युत अधिनियम के तहत थाना मगोर्रा पर वर्ष 2022 में एक अभियोग पंजीकृत हुआ था। इसके बाद वर्ष 2025 में थाना मगोर्रा पर अभियुक्त के खिलाफ गैंगस्टर की कार्यवाही की गई थी। तभी से अभियुक्त फरार चल रहा था। पुलिस को गैंगस्टर के अभियोग में वांछित की तलाश थी। थाना मगोर्रा पुलिस टीम द्वारा सूचना के आधार पर अभियुक्त योगी उर्फ योगेश पुत्र करन सिंह निवासी भीमसेन कॉलोनी दयानन्द गली थाना सदर बल्लभगढ़ जिला फरीदाबाद हरियाणा को गुरुवार को थाना हाईवे क्षेत्रान्तर्गत गोवर्धन चौराहा से गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय है कि गैंग लीडर शैलू उर्फ शैलेन्द्र का एक सक्रिय गिरोह है, अभियुक्त योगी उर्फ योगेश गिरोह का एक सक्रिय सदस्य है। इस गिरोह के द्वारा विद्युत आपूर्ति के लिए जा रही सरकारी लाइन से बिजली के तार चोरी किये जाते हैं। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

PM मोदी भारत और थाईलैंड के सदियों पुराने संबंध को प्रगाढ़ करते, स्ट्रैटिजिक डायलॉग स्थापित करने पर चर्चा, टूरिज्म में सहयोग पर बल

● - भारत की एक्ट ईस्ट' पॉलिसी और हमारे इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है। आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारियां का रूप देने का निर्णय लिया है। सुरक्षा एजेंसियों के बीच रणनीतिक वार्ता स्थापित करने पर भी चर्चा की। साइबर क्राइम के शिकार भारतीयों को वापस भारत भेजने में थाईलैंड सरकार से मिले सहयोग के लिए हमने थाईलैंड सरकार का आभार प्रकट किया।

स्वतंत्र प्रभात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा का हमारे गर्मजोशी स्वागत के लिए आभार व्यक्त करता हूं। 28 मार्च को आए भूकंप में हुए जनहानि के लिए मैं भारत के लोगों की तरफ से गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं और घायलों की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं थाईलैंड सरकार का आभारी हूं कि मेरी यात्रा के उपलक्ष्य में 18वीं शताब्दी रामायण म्यूरल पेंटिंग पर आधारित एक विशेष डाक टिकट जारी किया गया है। पीएम शिनावात्रा ने अभी मुझे तिपिटक की भेंट की है।

भारत की एक्ट ईस्ट' पॉलिसी और हमारे इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है। आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारियां का रूप देने का निर्णय लिया है। सुरक्षा एजेंसियों के बीच रणनीतिक वार्ता स्थापित करने पर भी चर्चा की। साइबर क्राइम के शिकार भारतीयों को वापस भारत भेजने में थाईलैंड सरकार से मिले सहयोग के लिए हमने थाईलैंड सरकार का आभार प्रकट किया। हमने भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा क्षेत्रों में सहयोग पर बल दिया है। आपसी व्यापार, निवेश और व्यवसायों के बीच आदान प्रदान बढ़ाने पर हमने बात की। स्व्स्थ्य, हैंडलूम और हस्तशिल्प में भी सहयोग के लिए समझौते किए गए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत आसियान एकता और आसियान केन्द्रीयता का पूर्ण समर्थन करता है। इंडो-पैसिफिक में, फ्री, ओपन, नियम-आधारित व्यवस्था का हम दोनों समर्थन करते हैं। हम विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की नीति में विश्वास रखते हैं।

सफदरजंग अस्पताल और सुशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट ने विश्व ऑटिज्म दिवस पर ऑटिज्म जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर, सफदरजंग अस्पताल के भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग ने सुशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (ॠ्ष्ठ) से पीड़ित व्यक्तियों की समझ, स्वीकृति और समावेश को बढ़ावा देने के लिए ऑटिज्म जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में डॉक्टरों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों, देखभाल करने वालों, छात्रों और ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया सफदरजंग अस्पताल से शुरू हुई यह पदयात्रा अस्पताल परिसर के प्रमुख क्षेत्रों से होते हुए आगे बढ़ी, जिसमें ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के लिए शीघ्र निदान, उपचार और सामुदायिक सहायता के महत्व पर ध्यान आकर्षित किया गया। प्रतिभागियों ने समावेश, सुलभता और समाज में न्यूरोडायवर्सिटी के बारे में अधिक जागरूकता की आवश्यकता की वकालत करने वाले संदेशों वाली तख्तियां ले रखी थीं इस अवसर पर बोलते हुए, सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संदीप बंसल ने न्यूरोडाइवर्जेंट व्यक्तियों का समर्थन करने के लिए अस्पताल की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ÷ऑटिज्म कोई विकलांगता नहीं है; यह एक अलग क्षमता है। अग्रणी सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में से एक के रूप में, हम जागरूकता फैलाने, प्रारंभिक हस्तक्षेप प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं कि ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों को वह देखभाल मिले जिसके वे हकदार हैं।" समावेशिता को बढ़ावा देने में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, वीएमएमसी की प्रिंसिपल डॉ. गीतिका खन्ना ने कहा, "मेडिकल छात्रों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के साथ बातचीत करने और उनका समर्थन करने के लिए ज्ञान और संवेदनशीलता से लैस होना चाहिए। सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के आयोजन आवश्यक हैं।" सफदरजंग अस्पताल के पीएमआर के विभागाध्यक्ष (एचओडी) डॉ. अजय गुप्ता ने बहु-विषयक हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "ऑटिज्म के लिए चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सहायता प्रणालियों को शामिल करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। निरंतर जागरूकता और नीति वकालत के माध्यम से, हमारा लक्ष्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जहाँ

ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्ति फल-फूल सकें और एक संतुष्ट जीवन जी सकें यह कार्यक्रम देखभाल करने वालों और आम जनता को ऑटिज्म के लक्षणों, शुरुआती निदान के महत्व और स्पेक्ट्रम पर व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में चिकित्सा और सहायता प्रणालियों की भूमिका के बारे में शिक्षित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। खुली बातचीत और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करके, जागरूकता वॉक का उद्देश्य रूढ़ियों को चुनौती देना और ऑटिज्म से जुड़े कलंक को कम करना था सफदरजंग अस्पताल और सुशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट ने न्यूरोडायवर्सिटी जागरूकता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की कि ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों को उनकी भलाई के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर प्राप्त हों।

नगर निगम पर अरबों की जमीन को खुर्दबुर्द करने के कांग्रेस ने लगाये आरोप

● - कांग्रेस महानगर कमेटी ने किया नगर निगम के खिलाफ आंदोलन का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। कांग्रेस ने नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाये हैं। कांग्रेस का कहना है कि बेशकीमती जमीनों को नगर निगम की मिली भगत से खुर्दबुर्द किया जा रहा है। कांग्रेस नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाएगी। महानगर कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ नगर निगम की तालाबंदी कर अधिकारियों का घेराव करने का एलान किया है। शहर कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकदम कहा कि नगर निगम द्वारा राधा वैली के पास अरबों रुपए की निगम की जमीन की एनओसी देकर बिल्डरस को फायदा पहुंचाया है। राधा बेली के पास जो रेजिडेंसी बनी है उसमें एक बड़ा हिस्सा नगर निगम की जमीन का है। जिसकी एनओसी नगर निगम ने दी है हम नगर निगम की जमीन को ऐसे खुर्द बुर्द नहीं होने देंगे। नगर निगम में भ्रष्टाचार चरम पर है इसे रोकने के लिए कांग्रेस जन जागरण अभियान चलाएगा। हम मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश हुआ जिलाधिकारी से मांग करते हैं कि वह इस प्रकरण की जांच कराए और भ्रष्ट अधिकारियों व मेयर के खिलाफ कार्रवाई करें। पार्षद संतोष पाठक ने कहा कि

भ्रष्टाचार के तहत एनओसी अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने जारी की है जो आय से अधिक संपत्ति के मामले में फंसे है।

पत्रकार वार्ता में पार्षद पुनीत बघेल अबरार कुरैशी के अलावा प्रकाश शर्मा पूरन सिंह दीपक राहुल अरोड़ा दुर्गेश बघेल आदि उपस्थित थे।

डंपर ने ऊंट गाड़ी को मारी टक्कर, किसान की मौत

● - आगरा उत्तरी बाईपास हाईवे के निर्माण कार्य में लगा था डंपर

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। आगरा उत्तरी बाईपास हाईवे के निर्माण कार्य में लगे डंपर ने किसान की जान ले ली। दिनभर खेत में काम करने के बाद थकाहार किसान देर शाम ऊंट गाड़ी को लेकर खेत से अपने घर लौट रहा था। इसी बीच एक डंपर ने ऊंट गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। करीब 50 मीटर तक डंपर ऊंट गाडी को अपने साथ घसीटता ले गया। हादसे में गांव नगला बेर के 32 वर्षीय किसान जितेंद्र उर्फ संजू की मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। घटना में किसान की मौत की सूचना गांव में पहुंची तो बडी संख्या में किसान घटना स्थल पर एकत्रित हो गये। ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। सडक पर जाम लगाने की सूचना थाना बलदेव पुलिस को मिली तो थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। लोगों में गुस्सां था, पुलिस ने समझा बुझा कर ग्रामीणों को शांत कराया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

है। मृतक के परिजनों ने परिवार के एक सदस्य को नौकरी और मुआवजे की मांग की है। पुलिस का कहना है कि प्रार्थना पत्र मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नव संवत्सर के उपलक्ष्य में लगाया रक्तदान शिविर

मथुरा। युवा ब्राह्मण संगठन एवं रक्तदाता फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में माता मनकामेश्वरी देवी मंदिर गणेश बाग में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मेला कमेटी अध्यक्ष विशाल पाराशर मेला संचालक मनोज नागर ने दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्ष विशाल पाराशर ने बताया कि नवदुर्गा का पवित्र अवसर है और संगठन के द्वारा यह एक सराहनीय कार्य किया गया है जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया। मंदिर महंत मनोज नागर ने बताया माता रानी के प्रांगण में इस तरह का पहला आयोजन है जिससे सभी ने महत्वपूर्ण योगदान देकर सफल बनाया माता रानी सभी की मनोकामना पूर्ण करें। अमित गोयल ने बताया शिविर में 31 यूनिट रक्तदान हुआ। जिसमें युवाओं में बढ़चढ कर भाग लिया। संगठन के योगेश शर्मा एवं कुलदीप शास्त्री ने सभी रक्तवीरों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। शिविर में मुख्य रूप से महंत मनोज नागर, कालीचरन अग्रवाल मनोज वार्ष्णेय पुनीत चौबे, रोहित शर्मा, मोहित शर्मा, अनीश रावत, कृष्णा सारस्वत व ब्लड बैंक से चिकित्सक पीएल गोयल, शुभम, राहुल, शिवांगी, भूपेंद्र, सचिन के साथ रक्तदाता फाउंडेशन से अमित गोयल व शुभम अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

रोडवेज बस ने बाइक सवार को रौंदा, गंभीर घायल

मशक्कत के बाद बस के नीचे फंसे युवक को निकाला

मथुरा। कोसीकलां में नंदगांव रोड पर एक रोडवेज बस ने बाइक सवार को बुरी तरह से रौंद दिया और काफी दूर तक घसीटकर ले गई। राहगीरों ने काफी मशक्कत के बाद बस के नीचे फंसी बाइक एवं युवक को बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे अस्पताल के लिए भेजा है। घटना गुरुवार की सुबह कोसी नंदगांव रोड पर हरीपुरा गांव के समीप हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेजगति से दौड रही राजस्थान रोडवेज बस ने आगे जा रहे बाइक सवार को पहले टक्कर मारी और उसे घसीटते हुए काफी दूर तक ले गया। इस भीषण दुर्घटना के बाद राहगीरों ने बस के नीचे फंसे बाइक सवार को बाहर निकाला। घायल युवक की पहचान इंदर पुत्र उदयराम 42 वर्ष निवासी गांव धमसींगा के रूप में हुई। लोगों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

'पोषण भी पढ़ाई भी' थीम पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल। जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम करकटी में आंगनबाड़ी केन्द्रो की कार्यकर्ताओं को बच्चों के विकास के आयामों के मूल्यांकन में क्षमता वृद्धि कर सक्षम बनाने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी एवं मिशन पोषण 0.2 अंतर्गत 'पोषण भी पढ़ाई भी' थीम के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें 03 से 06 वर्ष के बच्चों में शाला पूर्व शिक्षा की आधारशिला एवं 0 से 03 साल के बच्चों में नवचेतना गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान पढ़ाई विषय पर प्री टेस्ट, अपेक्षा अनुसार वातावरण, 'पोषण भी पढ़ाई भी' के लिए तर्क, प्रारंभिक बाल शिक्षा के महत्व, बच्चों की आकांक्षाओं की समझ, बच्चों में विकास के क्षेत्र का परिचय, भाषा और साक्षरता विषय, अधिगम सहायकों का महत्व व अधिगम सामग्री का निर्माण कक्षा का संचालन एवं बच्चों के लिए एक दिनचर्या की योजना बनाना आदि विषयों पर मुख्य रूप से

प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही पोषण विषय पर स्वस्थ बच्चे और मानव जीवन चक्र में पोषण की भूमिका के बारे में विस्तृत चर्चा, पोषण संबंधी उपायों पर चर्चा और प्रस्तुति, माइक्रो सूक्ष्म पोषण तत्वों की कमी विकारों पर चर्चा एवं प्रस्तुति पोषण परामर्श पर नाटक, सेम नेम बच्चों की पहचान रोकथाम प्रबंधन, स्तनपान के लाभ, स्तनपान की प्रारम्भिक शुरुआत और कोलेस्ट्रॉल के फायदे बताए गए।

प्रशिक्षण के अंतिम दिन पोषण भी पढ़ाई भी, दिव्यांगता की पहचान, समावेशन के अधिकार पर सामूहिक चर्चा, जांच अनुसूचियां पर केस स्टडी और चर्चा, बाल पालन प्रणालियों की देखभाल करने वाले के प्रति जागरूकता पर सामूहिक चर्चा, 0 से 3 साल के पोषण पर चर्चा, एक शिक्षण केंद्र के रूप में मेरी आंगनबाड़ी एवं प्रशिक्षण के बाद प्रश्नोत्तरी और सहायक प्रतिबिंब प्रपत्र और प्रमाण पत्र वितरण किया गया। प्रशिक्षण के दौरान रूप से आनंद अग्रवाल परियोजना अधिकारी सोहागपुर, दीपा मिश्रा, सरवरी बेगम पर्यवेक्षक समेत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल रहीं।

महरौली थाना द्वारा दक्षिणी जिले में सक्रिय लुटेरों की गिरफ्तारी

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। दक्षिणी जिले के महरौली थाना के कर्मचारियों ने एफआईआर संख्या 301/25 यू/एस 309(5)/3(5) बी.एन.एस. महरौली के मामले में सक्रिय लुटेरों की जोड़ी हैदर अली और मोहम्मद अनस को गिरफ्तार करके सराहनीय कार्य किया है। उनकी निशानदेही पर लूट का सामान यानी पीड़ित का पर्स जिसमें 12,200/- नकद, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड और अपराध में इस्तेमाल की गई 01 देशी पिस्तौल बरामद की गई है।नांगल देवत वसंत कुंज, दिल्ली निवासी शिकायतकर्ता ने बताया कि शाम करीब 6 बजे जब वह छतरपुर पहाड़ी पर अपने चाचा से मिलने जा रहा था,तो वह अंधेरिया मोड़ बस स्टैंड के पास रुका। इसी दौरान दो लुटेरों ने बंदूक की नोक पर उसका पर्स लूट लिया, जिसमें ?12,200, एटीएम कार्ड और आधार कार्ड था। इसलिए, थाना महरौली में एफआईआर संख्या 301/25 यू/एस 309(5)/ 3(5) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।जांच के दौरान, टीम ने अपराध स्थल के आसपास लगे कैमरों की सीसीटीवी फुटेज एकत्र की और अपराधियों के बारे में कोई सुराग पाने के लिए सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया। घटना और कथित व्यक्तियों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए शिकायतकर्ता से पूछताछ की गई। आरोपी की पहचान करने के लिए संदिग्ध की तस्वीरें भी पीड़ित को दिखाई गईं। टीम ने तकनीकी स्रोतों के माध्यम से कुछ महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण इनपुट एकत्र किए और महत्वपूर्ण इनपुट को शुद्ध किया और मैनुअल और तकनीकी निगरानी के माध्यम से कुछ और महत्वपूर्ण इनपुट निकाले। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण से टीम अपराध में शामिल कथित व्यक्तियों की तस्वीरें विकसित करने में सफल रही। उनकी

पहचान करने के लिए उनकी तस्वीरें पुलिस के जाल में प्रसारित की गई। इसके अलावा, जेल से जमानत पर रिहा अपराधियों की सूची और इस तरह की गतिविधि में शामिल अपराधियों के डोजियर की जांच की गई। टीम के प्रयासों का फल तब मिला जब दोनों कथित व्यक्तियों की पहचान हैदर अली और मोहम्मद अनस के रूप में हुई। निगरानी और तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से उन्हें पिकनिक हट,महरौली से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने उपरोक्त अपराध कबूल कर लिया।

इफको की शानदार उपलब्धि, दूसरे वर्ष में भी तीन हजार करोड़ लाभांश का अनुमान

स्वतंत्र प्रभात

1 नं. पेज की शेष खबर

नवाचार और उत्कृष्टता की बलवती भावना के साथ वित् वर्ष 2024-25 के दौरान हमने इफ़को नैनो यूरिया प्लस (तरल) की 268 लाख बॉटल और इफ़को नैनो डी ए पी की 97 लाख बॉटल, कुल 365 लाख बॉटल की उत्साहपूर्वक बिक्री सुनिश्चित की है जो कि गत वर्ष से क्रमशः 31 त्न नैनो यूरिया, 118 त्न नैनो डी ए पी एवं कुल 47 त्न अधिक है जोकि इस वर्ष समान्य उर्वरक के रूप में 12 लाख मेट्रिक टन यूरिया एवं 4.85 लाख मेट्रिक टन डी ए पी के बराबर है। इसके अंतर्गत 5 लाख नैनो उर्वरकों का निर्यात 40 देशों में सम्मिलत है। इसी प्रकार समान्य उर्वरकों की बिक्री भी वर्ष 2024-25 में 112.48 लाख मेट्रिक टन है जो की 2 त्न गत वर्ष से अधिक है। जल विलय एवं विशिष्ट उर्वरक की बिक्री भी 1.30 लाख मेट्रिक टन हुई है जो की 2त्न अधिक है सागरिका तरल 11.55 लाख लीटर के साथ 33 त्न अधिक है, ग्रेन्युल 68000 मे.टन के साथ 28त्न अधिक है तथा जैव उर्वरक भी 8.61 लाख लीटर के साथ 3त्न गत वर्ष से अधिक है।

वर्ष 2024-25 के दौरान इफको उर्वरकों का कुल प्रेषण 113.20 लाख मीट्रिक टन रहा है, जिसमें सब्सिडी वाले उर्वरक, डब्ल्यूएसएफ और विशेष उर्वरक शामिल हैं। यह 2023-24 के दौरान 111.04 लाख मीट्रिक टन के प्रेषण आंकड़े से 1.80त्न की वृद्धि दर्शाता है। इस वर्ष भेजे गए 113.20 लाख मीट्रिक टन में से 100.73 लाख मीट्रिक टन रेल (3620 रेक), 12.18 लाख मीट्रिक टन सड़क (38,578 ट्रक) और लगभग 0.28 लाख मीट्रिक टन तटीय मार्ग से भेजा गया।

इसके अलावा, नैनो उर्वरकों (यूरिया और डीएपी दोनों मिलाकर) का कुल प्रेषण सड़क मार्ग (2035 ट्रक) द्वारा 4.64 करोड़ बोतलें था। एनएफपी कलोल, फूलपुर और आंवला से नैनो यूरिया की 3.69 करोड़ बोतलें भेजी गईं। कलोल और कोयंबटूर से नैनो डीएपी की 0.95 करोड़ बोतलें भेजी गई।

इफको टीम की निरंतर कड़ी मेहनत और योगदान से हम प्रचालन के उत्कृष्ट स्तर को छू पाने में सक्षम रहे। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान इफको संयंत्रों से 93.17 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का उत्पादन हुआ, जिसमें 48.17 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 44.94 लाख मीट्रिक टन एनपीके/डीएपी/जल विलेय उर्वरक और विशेष उर्वरक शामिल हैं। फूलपुर-ढ्ढ और आंवला-ढ्ढ्ढ ने अब तक का सर्वाधिक यूरिया उत्पादन किया, तथा पारादीप इकाई ने अब तक का सर्वाधिक डीएपी/एनपी उत्पादन किया। इफको का कर-पूर्व लाभ ?3000 करोड़ से अधिक होने की आशा है। स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट ग्रुप की विशेषज्ञता के परिणामस्वरूप विदेशी उद्यमों के लाभप्रद प्रचालन से इफको को अच्छा वित्तीय लाभ हुआ है।

कृत्रिम मेधा युक्त भर्ती प्रक्रिया संचालित करने और नैनो उत्पादों के पेटेंट पंजीकरण संबंधी उत्कृष्ट कार्य के लिए मैं मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध और विधि टीम को हार्दिक बधाई देता हूँ। इफको परिवार के बहुमूल्य योगदान, समर्पण और सहयोग के कारण ही इस वित्त वर्ष में हमें यह शानदार सफलता मिली है। इस अवसर पर मैं इफको की सभी इकाइयों, संयंत्रों, विपणन, वित्त, वाणिज्यिक, सीआर, आईटी, मानव संसाधन व विधि, जन संपर्क, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति प्रकोष्ठ, सुरक्षा और संरक्षा, रियल एस्टेट और सिविल, सतर्कता और अन्य टीमों के सभी सदस्यों को उनकी दृढ़ता और कड़ी मेहनत के लिए बधाई देता हूँ। मैं इफको के सभी संयुक्त उपक्रमों, सहायक कंपनियों और सहयोगियों के प्रबंधन को उनके उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन और समर्पित सहयोग के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। मित्रो, हमारी मातृ इकाई कलोल के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अप्रैल 2025 के प्रथम सप्ताह में इकाई का स्वर्ण जयंती उत्सव मनाया जाएगा। साथ ही कला और साहित्य के संवर्धन हेतु इफको के भाषा, साहित्य एवं संस्कृति प्रकोष्ठ द्वारा महान कथाशिल्पी श्रीलाल शुक्ल का जन्म शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है।

मित्रो, मुझे आईसीए सम्मेलन 2024 के दौरान रोशडेल पायनियर्स अवॉर्ड प्राप्त हुआ। मैं यह सम्मान इफको के अपने सभी साथियों को समर्पित करता हूँ। किसानों की भलाई के लिए अथक प्रयास कर रहे इफको के सभी कर्मचारियों और प्रबंधन के अटूट समर्थन और समर्पण के कारण ही यह संभव हुआ है। मैं आपको यह विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि किसानों के जीवन स्तर में सुधार लाने और देश के कृषि क्षेत्र में बदलाव लाने वाली अत्याधुनिक तकनीकों को विकसित करने की दिशा में इफको आगे भी काम करना जारी रखेगा। मैं इफको अध्यक्ष, दिलीप संघाणी, उपाध्यक्ष बलवीर सिंह और इफको निदेशक मंडल के सभी निदेशकों को उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं इफको के सभी कर्मचारियों, इफको कर्मचारी संघ और इफको अधिकारी संघ को संस्था के प्रति उनके सहयोग और समर्पण के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिनका बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन हमारी संस्था को निरंतर मिलता रहता है। मैं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रसाद नड्डा जी को उर्वरक क्षेत्र को मजबूत करने के प्रति उनके समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। मुझे पूरा विश्वास है कि अपनी मजबूत नींव के साथ आने वाले वित्तीय वर्ष में भी हम अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए सफलता की नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

स्वीकृत प्रजाति एवं स्वस्थ बीज बोए गन्ना किसान की सलाह गोष्ठी में दी गई

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी गोला के परिक्षेत्र अलीगंज के ग्राम बगौडा में बृहद किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।गोष्ठी में आशुतोष मधुकर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गोला एवं पी.एस चतुर्वेदी वरिष्ठ महाप्रबंधक गन्ना गोला व अन्य विभागीय व चीनी मिल अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। गोष्ठी में लगभग 165 कृषकों ने भाग लिया। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गोला ने स्वीकृत गन्ना प्रजातियों एवं स्वस्थ गन्ना बीज का चयन कर गन्ना बुआई करने एवं गन्ना विकास परिषद में चल रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी तथा उसमें देय अनुदान तथा समिति में उपलब्ध फार्म मशीनरी बैंक में उपलब्ध यंत्रों को किफायती दरों पर किराये पर ले जाकर उपयोग कर अधिक से अधिक लाभ कमाना तथा ड्रिप सिंचाई एवं पंचामृत खेती इत्यादि के सम्बन्ध में जानकारी दी। इसी क्रम में गोला मिल के वरिष्ठ महाप्रबन्धक गन्ना ने बताया कि पौधे गन्ने की कटाई के तुरन्त बाद ठूठों की छटाई आर एम डी से करें, तत्पश्चात जहाँ फुटाव कम हो वहाँ ईथाफोन का स्प्रे ठूठों पर करें, जिससे पेड़ी का फुटाव अच्छा होता है साथ ही उन्होंने गन्ना कटाई के तुरन्त बाद सिंचाई करके खाद/उर्वरक डालने, निराई/गुड़ाई करने व रिक्त स्थान भरने की सलाह दी।उपस्थित कृषकों को बताया गया कि 75 किग्रा यूरिया,100 किग्रा सिंगल सुपर फास्फेट एवं 50 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें तथा चोटी बेधक कीट के बचाव हेतु कोराजन की ड्रैंचिंग करें। इस समय शरद काल मे बोये हुए गन्ने एवं पेड़ी गन्ने में टॉप बोरर की प्रथम पीढ़ी की तितली व पत्तियों की निचली सतह पर इसके अंड समूह दिखाई पड़ रहे है। इसलिए टॉप बोरर से बचाव हेतु शरद काल मे बोये गए गन्ने एवं पेड़ी गन्ने में तत्काल कोराजन/सुपर सिक्सर की ड्रेंचिग कराये।साथ ही यह भी बताया कि विगत वर्ष टॉप बोरर की चौथी पीढ़ी ने गन्ने की फसल को बहुत अधिक नुकसान पहुँचाया था। इस लिए इस बार इससे बचाव हेतु जुलाई-अगस्त महीने में अपने क्षेत्रीय मिल सुपरवाइजर से सम्पर्क करके पुनः फरटेरा या वर्टाको(दानेदार) का प्रयोग अवश्य करें। इसी क्रम में प्रबन्धक गन्ना सत्येन्द्र कुमार मिश्र ने उन्नतशील गन्ना प्रजातियों को0 0118,को015023,कोशा013235 व जलभराव वाले क्षेत्र में को098014 के दो आंख के टुकड़े कर बीज शोधन फफूंदीनाशक (प्रिज्म) से व भूमि शोधन ट्राइकोडर्मा(बायोक्योर/संजीवनी) से कर बुआई करने की सलाह दी।मंच संचालन वरिष्ठ प्रबंधक गन्ना संजीव सिरोही ने किया। गोष्ठी में गन्ना विकास निरीक्षक मोहम्मद अकरम,गन्ना अधिकारी दीपक सिंह सहित समिति व मिल के गन्ना सुपरवाइजर उपस्थित रहे।